# छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

वर्ष - 05 अंक - 19 बैकुंठपुर, बुधवार 09 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

www.cgfrontline.com


## बरसात में टपकने वाले छत की चिंता नहीं, टाइल्स को उखाड़कर कर रहे बर्बाद

### शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध अस्पताल में चल रहा अपव्यय का खेल

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** बरसात के दिनों में टपकते छत के बीच खतरे में इलाज करा रहे मरीजों की चिंता से दूर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ऐसे कार्यों को प्राथमिकता देते हुए कराया जा रहा है, जिससे शासकीय धन का अपव्यय मात्र हो रहा है। वर्तमान में अस्पताल भवन में अच्छे खासे टाइल्स को उखाड़कर नए टाइल्सों को लगाने का काम द्रुत गति से किया जा रहा है। पूर्व में लगाए गए इन टाइल्सों को उखाड़ने में जहां एक ओर मजदूरों को मशीनी ताकत का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, वहीं नए टाइल्सों को जिस प्रकार लगाया जा रहा है, वे कितने दिन उपयोगी साबित होंगे, इसे लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह भी देखने को मिल रहा है कि जहां वास्तव में टाइल्स लगाने की जरूरत है, उसे अस्पताल प्रबंधन लंबे समय से नजरअंदाज करते आ रहा है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इन दिनों अच्छे-खासे टाइल्सों को उखाड़कर नए टाइल्स को लगाने का काम तेज गति से चल रहा है। अस्पताल के हालत पर नजर डालें तो भरी बरसात में दीवारों में पानी के सीपेज से करंट का झटका झेलते यहां के स्टाफ नर्स सहित अन्य कर्मचारी काम करने विवश रहे, वहीं वार्डों में मरीजों को बेड खिसकाकर टपकते पानी से बचने के लिए सुरक्षित जगह तलाशना पड़ रहा था। पानी के रिसाव से अस्पताल भवन को बचाने की कोशिशें सीजीएमएससी ने काफी की, छत को प्लास्टिक की पन्नी, तिरपाल से ढकने की खानापूर्ति की गई, लेकिन झमाझम बारिश के बीच यहां बदहाल हालातों का नजारा देखने को मिल रहा था। अस्पताल के हमर लैब, वार्ड सहित ओटी व अन्य महत्वपूर्ण कक्ष भी सीपेज से सुरक्षित नहीं थे। इन सबके बीच काफी समय से अस्पताल में अनुपयोगी निर्माण कार्यों को कराने की दिशा में कुछ अधिक ही रूचि देखने को मिल रही है। इसकी शुरूआत पुराने अस्पताल भवन में पूरी मजबूती के साथ लगे टाइल्सों को उजाड़ने और नए कमजोर टाइल्स लगाने से हुई है, जिसका क्रम अनवरत जारी है। जमीन ही नहीं दीवारों में लगे अच्छे टाइल्सों को मानव और मशीनी ताकत से उखाड़ा जा रहा है और नए टाइल्स लगाने के नाम पर धनराशि की बर्बादी की जा रही है।

#### मरीजों की भीड़ के बीच चल रहा काम

अस्पताल के पुराने मुख्य प्रवेश द्वार से लगाए गए टाइल्सों के हालात पर नजर डालें तो कई टाइल्स कम समय में ही टूटकर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एक्स-रे-सीटी स्कैन कक्ष के सामने लगे टाइल्सों को उखाड़कर नया लगाने के बाद आपातकालीन ओटी के सामने जमीन और दीवारों में लगे अच्छे खासे टाइल्स को उखाड़ दिया गया। यह काम भी ऐसे समय में कराया जा रहा है, जब मरीजों की भीड़ अस्पताल के ओपीडी में लगी रहती है। आपातकालीन ओटी में मरीजों को मरहम-पट्टी के लिए स्ट्रेचर और व्हील चेयर में लेकर मरीज के स्वजन पहुंचते हैं। टाइल्स उजाड़ने के बाद बनी स्थिति के कारण मरीजों को लेकर आने वाले स्वजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

#### टाइल्स कटर की आवाज से कान हो रहे सुन्न

टाइल्स काटने में किए जाने वाले कटर की आवाज से लोगों के सुन्न हो रहे कान की परवाह किए गए बगैर यहां काम चल रहा है, जिससे होने वाली असुविधा से प्रबंधन को कोई लेना-देना नहीं था। ओटी के अंदर तक कटर की गूंजती आवाज और उड़ते धूल के कारण नाक-मुंह बांधकर काम करते यहां के स्टाफ देखे जा रहे हैं। मरीज भी धूल के उड़ते गुबार के बीच नाक मुंह को कपड़े से ढककर आना-जाना करने में लगे हैं। यही नहीं मरीजों को हो रही असुविधा की परवाह किए बगैर अस्पताल भवन के अंदर ट्रैक्टर लगाकर उजाड़े गए टाइल्स का मलबा उठाने जैसी तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं।

## आवारा कुत्ते से संघर्ष करते बच्चे का दृश्य देखकर दहल उठे लोग

- भला हो साइकिल सवार वृद्ध का, जिसके कारण बच गई बच्चे की जान
- निगम आवारा कुत्तों से मुक्ति के लिए नहीं बना पाया कोई ठोस कार्ययोजना

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** शहर में आवारा कुत्तों का आंतक लंबे समय से होने के बाद भी नगर निगम के पास ऐसी कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है, जिससे लोगों को राहत मिल सके। निगम ने बधियाकरण की योजना बनाई जरूर, लेकिन वह कागजों में सिमटकर रह गई। शहर का कोई भी ऐसा मार्ग, चौक अछूता नहीं है, जहां आवारा कुत्तों का जमघट देखने को नहीं मिलेगा। ये कुत्ते कब किस पर हमला कर देंगे, कहना मुश्किल है।

48 घंटे नहीं हुए हैं, आवारा कुत्ते ने शहर के पोस्ट ऑफिस रोड में बिही बाड़ी के पास 6 साल के मासूम को बुरी तरह से जगह-जगह काटकर जख्मी कर दिया। मासूम बच्चा दुर्गा पंडाल में भंडारा लेने के लिए जाने निकला था। गनीमत ही कहें, साइकिल से आ रहे बुजुर्ग की नजर कुत्ते के हमले से जमीन में गिरे चीखते-पुकारते बच्चे पर पड़ी, जो कुत्ते के चंगुल से मुक्त होने के लिए संघर्ष कर रहा था। बुजुर्ग शोर मचाते हुए साइकिल सहित बच्चे की ओर लपका, जिसे देख कुत्ता बच्चे को छोड़ दिया, नहीं तो बच्चे की स्थिति गंभीर हो सकती थी। कुत्ते ने बच्चे के हाथ, पैर, पीठ में जख्म पहुंचाया है। इसकी जानकारी स्वजनों को मिली और वे सकते में आ गए। यह घटना एक सीसीटीव्ही में कैद हुई है, जिसमें घर के सामने से निकले बच्चे पर सड़क की ओर से आ रहे कुत्ते के द्वारा अचानक हमले का परिदृश्य देखने को मिल रहा है। बच्चे की स्थिति को देखने के बाद किसी का भी दिल दहल जाएगा। इंटरनेट मीडिया में प्रचारित इस खौफनाक मंजर को देखने के बाद लोगों के बीच आवारा कुत्तों के प्रति निगम के पास किसी कार्ययोजना के अभाव की चर्चा होने लगी है। रोजाना शहर में कई बच्चे स्कूलों से या किसी काम से आना-जाना करते नजर आते हैं। वहीं शहर के कई चौक-चौराहों और मुख्य मार्गों में आवारा कुत्तों का लगा जमघट आए दिन किसी दोपहिया सवार को तो कभी राहगीर को दौड़ाते नजर आता है, जिससे कब दुर्घटनाजन्य परिस्थिति बन जाएगी और कुत्ते से बचने के चक्कर में अन्य राहगीर चपेट में आ जाएंगे, कह पाना मुश्किल रहता है। निगम को इस दिशा में ध्यान देने और आवारा कुत्तों से मुक्ति के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की जरूरत है। कुत्ता पालकों को भी आगाह कराना होगा कि वे अपने कुत्तों को घरों में सुरक्षित बांधकर या ऐसे स्थल पर रखें, जिससे वे आम लोगों के लिए खतरा न बन सकें।

### वायरलेस टॉवर कार की ठोकर से क्षतिग्रस्त

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** पुलिस लाइन में स्थित वायरलेस टॉवर को कार चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना की रिपोर्ट सिस्टम प्रभारी पीडी मिंज ने कोतवाली थाना में दर्ज कराई है।

जानकारी के मुताबिक पुलिस लाइन में 150 फिट का वायरलेस टॉवर स्थित है। बीते 7 अक्टूबर को दोपहर करीब 3.30 बजे स्विफ्ट वीडीआई कार क्रमांक सीजी 07 एवी 4619 का चालक हर्ष तिवारी व राकेश तिवारी निवासी संजय पार्क कॉलोनी, पंडितपारा ने तेज गति में लापरवाही पूर्वक ठोकर मारकर टॉवर को क्षतिग्रस्त कर दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने कार चालक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

### आईजी बंगला का रसोईया कार की ठोकर से घायल, स्कूटी क्षतिग्रस्त

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** कार की ठोकर से स्कूटी सवार घायल हो गया। आईजी बंगला में कुक का काम करने वाले धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जमीरा निवासी बाबूनाथ मिंज ने पुलिस को बताया है कि वह वर्तमान में पुलिस लाइन में रहकर आईजी बंगला में कुक का काम करता है। 6 अक्टूबर की शाम को करीब 8.20 बजे वह अपने सोल्ड स्कूटी से गुदरी बाजार से पुलिस लाइन की ओर जा रहा था।

मल्टीपरपज स्कूल के पास पुलिस लाइन की ओर से आ रहे कार क्रमांक सीजी 15 सीएस 6332 के चालक ने तेज रफ्तार में लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए ठोकर मार दिया, जिसमें स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं उसे दाहिने पैर में चोट आई है। रिपोर्ट पर पुलिस ने कार सवार के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

## कथास्थल से मंगलसूत्र व सोने का चेन चोरी करने के मामले में 09 गिरफ्तार, 02 कार जप्त

### जांजगीर चांपा जिले से कार में पहुंचे आरोपियों ने वारदात को दिया था अंजाम

**छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर।** नगर के स्वयं भू शिव मंदिर प्रांगण में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा सुनने पहुंची 5 महिलाओं के गले से सोने का चैन और मंगलसूत्र चोरी करने के मामले में लखनपुर पुलिस ने 9 महिला-पुरूषों को गिरफ्तार करते न्यायिक रिमांड पर भेजा है। इनसे घटना में प्रयुक्त दो स्विफ्ट कार जप्त किया गया है। जानकारी के मुताबिक निर्मला वर्मा पति स्व. अनिल वर्मा 63 वर्ष, निवासी लखनपुर वार्ड क्रमांक 6 ने थाना लखनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि 27 सितंबर की शाम को वह भागवत कथा सुनने अपने परिचित खुशबू साहू और परमेश्वरी साहू के साथ शिव मंदिर प्रांगण में गई थी। कथा के समापन उपरान्त प्रसाद वितरण दौरान भीड़ का फायदा उठाते हुए उनके गले से व खुशबू साहू, परमेश्वरी साहू, संतोषी देवी, किरण अग्रवाल के गले से सोने का चैन, मंगलसूत्र अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज करके विवेचना में लिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही महिलाओं के वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसमें से दो संदेही महिलाओं के बारे में सूचना मुखबिर से पुलिस को मिली। पुलिस ने दोनों महिलाओं को थाने तलब किया। संदेही महिला ने अपना नाम रेनू धमदे, रेणु परहोले निवासी पीपर सत्ती बताया। पीपर शक्ति की और महिलाओं की पहचान के बाद सभी को थाना अकलतरा तलब किया गया। घटना के संबंध में पूछताछ करने पर इन्होंने अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी महिला रेनू धमदे पति महादेव धमदे 45 वर्ष, मंजू बाई पति कन्हैयालाल 47 वर्ष, हसीना बाई पति नारायण 60 वर्ष, चिरैया बाई पुरहोले पति अजय कुमार 37 वर्ष, सुनीता बाई पति पुत्तम कुमार 42 वर्ष, पुत्तम कुमार पिता नाजीव राव 45 वर्ष, संजू पति नंदलाल 50 वर्ष, उषा हतागिले पति स्व. गौकरण निवासी पीपरसती थाना अकलतरा जिला जांजगीर चांपा निवासियों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक सीजी 11 बीके 7505 व सीजी 11 बीएच 0428 जप्त किया गया है। आरोपियों के द्वारा जेवरात को बिक्री कर देने की जानकारी दी गई है, जिसमें से प्राप्त रकम में से 2500 रुपये पुलिस ने बरामद किया है। पूरी कार्रवाई में लखनपुर थाना प्रभारी अश्वनी सिंह, प्रधान रक्षक रवि सिंह, प्रवीण चंद्र तिवारी, गणेश कदम, आरक्षक दशरथ राजवाड़े, जितेंद्र शांडिल्य, उमाशंकर साहू, जानकी राजवाड़े, महिला आरक्षक मनिता तिग्गा, प्रियंका सक्रिय रहे।

## कलेक्टर प्रशासनिक टीम के साथ नदी पार करके ऊबड़-खाबड़ रास्ते से पैदल पहुंचे घटोन ग्राम

- रास्ता तय करते वक्त हुए चोटिल, ग्रामीणों से सीधे बात कर ली जरूरतों की जानकारी

**छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर।** कलेक्टर विलास भोसकर मंगलवार को विकासखंड लखनपुर के ग्राम पंचायत पटकुरा के आश्रित ग्राम घटोन पहुंचे। कलेक्टर के साथ डीएफओ तेजस शेखर, एसडीएम बनसिंह नेताम, सहित प्रशासनिक अमला के साथ नदी पार किया और लगभग 5 किलोमीटर से अधिक घाट-पहाड़ चढ़कर ग्राम घटोन में ग्रामीणों के बीच पहुंचे। सड़क निर्माण की स्थिति का जायजा लेकर कलेक्टर ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण हेतु आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। पहुंच विहीन रास्तों से जाने के दौरान कलेक्टर को चोटें भी आई, स्वास्थ्य कर्मियों ने उनका उपचार किया।

सरगुजा कलेक्टर मंगलवार की दोपहर लगभग 1 बजे जिले के लखनपुर विकासखंड के पटकुरा पंचायत अंतर्गत पहुंचविहीन ग्राम की स्थिति का जायजा लेने के लिए पहुंचे। नदी की परवाह न करते हुए उन्होंने ऊबड़-खाबड़ रास्तों को अन्य अधिकारियों के साथ पैदल ही तय किया। यहां ग्रामीणों से मुलाकात करके उन्होंने उनकी जरूरतों को जाना। कलेक्टर को अपने बीच देखकर गांव के लोगों ने उनसे बेझिझक चर्चा की और गांव में पानी की समस्या के संबंध में बताया। कलेक्टर ने गांव में कुआं निर्माण के निर्देश देते हुए घरों में पेयजल पहुंचाने के लिए पाइप लाइन सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने बिजली हेतु सोलर हाई मास्ट लाइट प्रदान करने के अलावा सामुदायिक शौचालय बनाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने झूला घर, आंगनबाड़ी भवन में टाइल्स लगवाने सहित अन्य मांगें रखी। इनकी बातों को सुनने के बाद कलेक्टर ने समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन उन्हें दिया है। इस दौरान जनपद सीईओ वेद प्रकाश पांडेय, तहसीलदार अंकिता पटेल, कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक मिंज, एसडीओ दिलीप मिंज, खंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राय, बीएमओ ओपी प्रसाद, पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

#### इन्हीं रास्तों से ग्रामीण कंधे में टांगकर ले गए थे शव

विगत दिनों घटोन निवासी इसपाल तिग्गा की मौत उपचार के दौरान मिशन अस्पताल अंबिकापुर में हो गई थी। शव वाहन से इसपाल के शव को ग्राम पटकुरा तक लाया गया, इसके बाद पटकुरा से शव को कंधे पर बांस के सहारे लेकर ऊबड़-खाबड़ रास्ते से पैदल 5 किलोमीटर से अधिक सफर तय करके वे ग्राम घटोन पहुंचे और शव का अंतिम संस्कार किया था। ग्रामीणों को हो रही दिक्कत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। मीडिया की सुर्खियों में यह तस्वीर सामने आने के बाद कलेक्टर ने इसे त्वरित संज्ञान में लिया और मंगलवार को गांव की वस्तुस्थिति जानने के लिए वे स्वयं नदी पार करके ऊबड़-खाबड़ रास्ते से पैदल घटोन ग्राम पहुंच गए।

#### गांव में मितानिन की नियुक्ति करने के निर्देश

घटोन गांव में 35 परिवार निवासरत हैं। कलेक्टर को ग्रामीणों ने बताया कि प्रसव हेतु महिलाओं को कुन्नी जाना पड़ता है। इस पर कलेक्टर विलास भोसकर ने गांव में मितानिन की नियुक्ति हेतु निर्देशित किया। इस दौरान कलेक्टर ने प्राथमिक शाला एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति देखने के बाद यहां फ्लोर टाइल्स लगाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने ग्राम में ही बच्चों के टीकाकरण हेतु निर्देशित किया।

## न्यायालयीन कर्मचारी के सूने मकान से 2 लाख नगदी व जेवरातों की चोरी

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असोला में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने दो लाख रुपये नगद और सोने-चांदी का जेवरात चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में मकान स्वामी ने दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक असोला अंबिकापुर निवासी मो. अमरूद्दीन अंसारी न्यायालय अंबिकापुर में कार्यरत हैं। वे वर्तमान में पैलेस के पीछे दर्रीपारा बीहीबाड़ी में शासकीय निवास में रहते हैं। असोला स्थित मकान खाली रहने के कारण वे दिन में अपना काम निपटाने के बाद रात में वहां सोने के लिए जाते थे। 05 अक्टूबर की सुबह वे अपने निवास स्थान असोला से ड्यूटी के लिए अंबिकापुर न्यायालय आए थे। कार्यस्थल से दौरा जाने के कारण वे अपने निवास ग्राम असोला नहीं जा पाए। शाम करीब 05 बजे पड़ोसी से मकान का हाल-चाल पूछकर रात में शासकीय निवास में ही सो गए। 06 अक्टूबर को दोपहर करीब 03 बजे जब वे अपने निवास स्थान ग्राम असोला गए तो सामने शटर का कुण्डी टूटा था। शटर उटाकर अंदर जाने पर दरवाजे का ताला टूटा मिला और सभी कमरे का दरवाजा खुला था। अंदर जाने पर बेडरूम के आलमारी में रखा नगद 02 लाख रुपये, सोने का कान का मंगलटीपा, हाथ का कंगन, मांगटीका सहित अन्य जेवर एवं नल में लगा पाइप नहीं था। चोरी गए सामानों का वास्तविक मिलान वे पत्नी व बच्चों के नहीं रहने के कारण नहीं कर पाए। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरूद्ध केस पंजीबद्ध किया है।

## समभाव महिला मंच ने व्रतियों को किया फल वितरण

**छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।** सभी समाज की महिलाओं के साझा मंच सभभाव ने मंदिरों में नवरात्रि के मौके पर व्रती बहनों को फल वितरण किया। इस दौरान दुर्गा मंदिर गांधी चौक, समलाया मंदिर, गौरी मंदिर में समभाव महिला मंच की संयोजिका वन्दना दत्ता, आशा राणा, जयंती तिवारी, मुक्ता गुप्ता, लिलि बसु, श्वेता गुप्ता, संजीता स्वर्णकार, मधु चौदहा, नमिता चावला, सरिता भाटिया, लीला बंसल, अनुभा डबराल, कुंजबाल जयसवाल, सुनीता चोपड़ा, शबनम खानम, ज्योति चोपड़ा, सुनीता लाल, सोनी सिन्हा, सपना चोपड़ा, ज्योति द्विवेदी, स्मिता तिवारी, नीलम राजवाड़े ने व्रती बहनों को फल देकर नवरात्रि की मंगलकामनाएं दी। बता दें कि समभाव मंच के द्वारा प्रति वर्ष चैत्र नवरात्रि एवं शारदीय नवरात्रि के मौके पर मंदिरों में व्रती बहनों को फलाहार का वितरण किया जा रहा है।

# प्रधानमंत्री आवास योजना: नए आशियानों में संवर रही हैं ग्रामीणों की खुशियाँ

★ वित्तीय वर्ष 2024-25 में 45 हज़ार से अधिक आवासों की स्वीकृति
★ जिले के लिए 391 करोड़ की राशि मंजूर, सपनों को मिली नई उड़ान
★ 32 हज़ार से अधिक परिवारों को पहली किस्त में 111 करोड़ रुपए की राशि जारी

**बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन।** रोटी, कपड़ा और मकान जीवन की तीन सबसे अहम आवश्यकताएँ हैं, जिनकी पूर्ति के लिए हर व्यक्ति लगातार प्रयास करता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ आजीविका के सीमित संसाधन होते हैं, लोग अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ऐसे में यदि इन्हीं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सरकारी सहायता मिल जाए, तो जीवन के बड़े कष्टों से छुटकारा पाया जा सकता है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने ऐसे ही परिवारों के घर के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में इस योजना के तहत मिले आर्थिक सहयोग से कई परिवारों के जीवन में नई रोशनी आई है। त्योहारी सीजन के इस अवसर पर जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने अपने नए पक्के घरों का गृह प्रवेश कर पूजा-अनुष्ठान के साथ इसे शुभारंभ किया है। वहीं, जिन परिवारों को नए आवास की स्वीकृति मिली है, वे भूमि पूजन कर अपनी खुशियों का जश्न मना रहे हैं। इस योजना ने न केवल आशियाने दिए हैं, बल्कि इन घरों में उम्मीद और खुशहाली की नई किरणें भी बिखेरी हैं।

### मुख्यमंत्री के प्रयास और आवास योजना की उपलब्धियाँ

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के विशेष प्रयासों से पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 8 लाख 40 हजार आवासों की स्वीकृति दी गई है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कुल 45,719 आवासों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से स्थाई प्रतीक्षा सूची में शामिल 41,166 आवासों में से 32,304 को मंजूरी दी जा चुकी है, और 27,144 हितग्राहियों को प्रथम किस्त की राशि जारी की जा चुकी है। योजना के तहत कुल 391 करोड़ 38 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 111 करोड़ रुपये सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से जारी किए गए हैं। विदित हो कि वित्तीय वर्ष 2016 से 2023 तक 08 वर्षों में जिले में कुल 44,188 आवास स्वीकृत किए गए थे, जिसमें से 42298 आवास पूर्ण कराए जा चुके हैं, लेकिन यह पहला अवसर है जब केवल एक ही वित्तीय वर्ष में 32,304 आवासों की स्वीकृति दी गई है।

### विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए आवास

प्रधानमंत्री आदिवासी न्याय महाअभियान योजना के तहत जिले के सुदूर क्षेत्र में रहने वाली विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा समुदाय के पात्र परिवारों को सर्वेक्षण के आधार पर 2,958 आवासों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें से 2,413 हितग्राहियों को प्रथम किस्त, जबकि 894 हितग्राहियों को द्वितीय किस्त की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई है। वर्तमान में इस योजना के तहत 150 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

### सपनों का घर, खुशियों का प्रवेश

नवरात्रि पर्व के अवसर पर जिले के 32 हज़ार से अधिक ग्रामीणों को नया मकान मिलना उनके जीवन का सौभाग्यपूर्ण क्षण बन गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना से मिली आर्थिक सहायता के कारण ग्रामीण अपने पक्के मकानों का निर्माण कर रहे हैं, और विगत 2 वर्षों में लगभग 10 हज़ार से अधिक पूर्ण आवासों में लोग गृह प्रवेश कर अपनी खुशियाँ मना रहे हैं।विकासखण्ड राजपुर के निवासी श्री मोहरसाय पहाड़ी कोरवा बताते हैं कि उनका पक्का घर अब बन गया है, और उन्हें रोजगार गारंटी से 95 दिनों का रोजगार भी मिला। श्री नवसाय ने बताया कि उन्हें पंचायत से सूचना मिली कि उनका आवास स्वीकृत हो गया है, और अब उनके परिवार ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। श्री शिवरतन कोरवा और उनके परिवार ने अपने घर को सजाकर हाल ही में गृह प्रवेश किया। वर्षों पुराना सपना पूरा होने पर उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की। इसी प्रकार, श्री रूबल ने बताया कि उनके परिवार ने भूमि पूजन कर अपने नए घर की नींव रखी, और उनके बैंक खाते में पहली किस्त की राशि 40,000 रुपये भी आ गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी बड़ा बदलाव लाया है, जिससे वे अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त और सशक्त महसूस कर रहे हैं।

## शासकीय पॉलीटेक्निक कालेज रामानुजगंज में

# जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम का किया गया आयोजन

**बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन।** शासकीय पॉलीटेक्निक कालेज रामानुजगंज में जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम के अंतर्गत 05 अक्टूबर से 15 नवम्बर 2024 तक जनजाति गौरव से सम्बन्धित भाषण, ड्राइंग रंगोली, कविता, लोकनृत्य, लोकगीत तथा क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा हैं। इसी तारतम्य में गत दिवस संस्था में रानी दुर्गावती के 500वीं जयंती के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती तथा छत्तीसगढ़ महतारी और रानी दुर्गावती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना तथा राजकीय गीत का गायन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री सुनील कुमार सिंह ने जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम के उद्देश्य पर व्यक्तव दिया। उन्होंने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों द्वारा किए गए विविध विद्रोह का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने तिलका मांझी, सिद्धू, कान्हु व फूलो झानो के मातृभूमि के स्वतंत्रता संघर्ष को बताया। साथ ही उन्होंने जनजातीय समुदायों द्वारा जनजाति रीति रिवाजों एवं मानवीयता और प्रकृति संतुलन संरक्षण को विस्तार से बताया। कार्यक्रम सह संयोजक श्री उमा शंकर यादव ने गोंडवाना रानी दुर्गावती के शौर्यगाथा को विस्तार से बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ के पदमश्री विजेता वैद्यराज श्री हेमचंद मांझी के आयुष चिकित्सा से मानव सेवा की जानकारी दी। विभिन्न राज्यों के जनजाति ज्ञान परंपरा से आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. एस. पी. मिश्रा ने स्वतंत्रता के परिपेक्ष्य में जनजाति समाज के गौरव को सम्मान दिए जाने की बात कहीं। साथ ही अपने समाज के पुरखों द्वारा किए कार्यों के प्रति कृतज्ञ रह कर सतत संतुलित विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहने को कहा जिससे की हमारे समाज, राज्य और देश का उत्तरोत्तर विकास हो सके। इस दौरान संस्था के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजातीय लोक पर आधारित नृत्य, कविता, व अन्य विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस दौरान संस्था स्तर पर जनजातीय गौरव स्मृति कार्यक्रम हेतु गठित कार्यकारिणी के सभी व्याख्याता, कार्यालय सदस्य और छात्र सदस्य उपस्थित रहे। सभी के सक्रिय योगदान से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

# निधन : श्रीनाथ मिश्रा

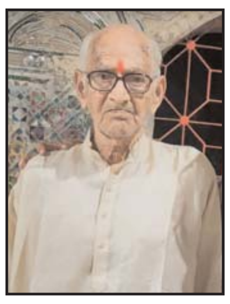

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**
**बिश्रामपुर।** ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर शांतिनगर निवासी सेवानिवृत्त प्रधान पाठक व क्षेत्र के पुरोहित पंडित श्रीनाथ मिश्रा का मंगलवार की दोपहर निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार बुधवार 9 अक्तूबर को प्रात: 9 बजे रिहंद नदी कुरुवा में स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। पंडित श्रीनाथ मिश्रा सेवानिवृत्त कॉलरी कर्मी कृष्ण चंद्र मिश्रा गुड्डू महाराज के पिताश्री थे। वे अपने पीछे दो पुत्र व पुत्री समेत भरापूरा परिवार बिलखता छोड़ गए हैं।

# टमाटर की खेती से आर्थिक रूप से मजबूत हुए कतरू, परिवार की स्थिति में हुआ सुधार

**बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन।** बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखण्ड शंकरगढ़ के ग्राम लाऊ के प्रगतिशील कृषक श्री कतरू अपनी टमाटर की खेती की सफलता का श्रेय कठिन परिश्रम के साथ उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनातंर्गत संचालित प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम को देते हैं। उन्होंने 2023-24 में उद्यान विभाग के सहयोग से टमाटर की खेती कर लगभग 1.5 लाख रुपये की आय अर्जित किया।

कृषक कतरू के पास 01 हेक्टेयर खेत है, और इनका पारिवारिक पेशा खेती-बाड़ी है। श्री कतरू पहले परंपरागत तरीके से खेती करते हैं, पर विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं एवं उन्नत तकनीकी ज्ञान के अभाव में उत्पादन इतना कम होता था कि परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो जाता था। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए वे मजदूरी का कार्य भी करते थे। कमाई इतनी ज्यादा नहीं हो पाती थी कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकें। इसके अलावा भविष्य की पारिवारिक जिम्मेदारियां भी अधर में दिखाई दे रहीं थी। श्री कतरू को जब उद्यान विभाग की योजनाओं की जानकारी मिली तो वे भी अपनी आय को बढ़ाने के लिए एक दिन विकासखण्ड के उद्यान विभाग में गए तथा अधिकारियों से सम्पर्क कर उद्यानिकी खेती की उन्नत तकनीक के बारे में चर्चा की। विभाग के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि विकासखण्ड में संचालित राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनांतर्गत प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम आयोजन किया जाता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर श्री कतरू ने सब्जी उत्पादन के साथ-साथ अंतरवर्ती फसल करने का निर्णय लिया। उन्होंने उद्यान विभाग के सहयोग प्राप्त कर अपने 01 हेक्टेयर खेत में टमाटर की खेती की। साथ ही उद्यान विभाग द्वारा श्री कतरू को 25 हजार रुपये का केसीसी, ड्रिप, मल्चिंग, वीडर तथा स्पेयर का अनुदान भी प्राप्त हुआ। उन्होंने उद्यान विभाग से मिले सहयोग तथा अपनी मेहनत से टमाटर की खेती की। बम्पर फसल उत्पादन होने से किसान कतरू के चेहरे की मुस्कान और आय स्त्रोत में बढ़ोत्तरी हुई है। उन्होंने बताया कि खेती से लगभग 600 क्विंटल टमाटर प्राप्त हुये जिसे बाजार में बेच कर मुझे खर्चा काटकर लगभग 150000 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। कतरू कहते हैं कि टमाटर की खेती करने से मेरे आय के स्त्रोत में बढ़ोत्तरी होने पर मेरी आर्थिक स्थिति में सुधार आ रही है। श्री कतरू ने उद्यान विभाग से मिले सहयोग के लिए विभाग को धन्यवाद दिया है। श्री कतरू के इस जुनून को देखते हुए आस-पास के कृषक भी उद्यानिकी फसल को अपनाने हेतु प्रेरित हो रहे हैं।

# शारदीय नवरात्रि पर कोयलांचल में भक्तिभाव का माहौल

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**
**बिश्रामपुर।** कोयलांचल समेत आसपास इलाके में शारदीय नवरात्रि पर विविध अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। शारदीय नवरात्रि को लेकर क्षेत्र में भक्तिभाव का माहौल निर्मित हो गया है।

नगर के मुख्य दुर्गा पूजा आयोजन में श्री दुर्गा पूजा समिति बिश्रामपुर द्वारा तैयारी पूरी कर ली गई है। यहां पर गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में 9 अक्तूबर बुधवार को सायं साढ़े छह बजे से श्री श्री दुर्गा षष्ठी पूजा व बोधन पूजा, 10 अक्तूबर को प्रात: साढ़े चार बजे से साढ़े सात बजे तक महासप्तमी पूजा व पुष्पांजलि, 11 अक्तूबर को प्रात: सवा तीन बजे से महाष्टमी विहित पूजा प्रारंभ कर पुष्पांजलि व संधि पूजा इसके अलावा प्रात: साढ़े नौ बजे से महानवमी पूजा व पुष्पांजलि, 12 अक्तूबर को प्रात: नौ बजे से दशमी पूजा उपरांत रात 55 फीट रावण का भव्य आतिशबाजी के साथ दहन किया जाएगा। 14 अक्तूबर को मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। यहां पर

संध्या आरती प्रतिदिन सायं साढ़े सात बजे से प्रारंभ होगी। इसके अतिरिक्त दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण व क्षत्रिय भवन प्रांगण में अष्टमी तिथि को डांडिया का आयोजन संपन्न कराया जाएगा। इसी तरह ग्राम पंचायत गोविंदपुर कुमदा कालोनी, सिलफिली, कंदरई, राजापुर, रविंद्रनगर, संजयनगर, लटोरी व आसपास क्षेत्र में भी शारदीय नवरात्रि पर्व हर्षोल्लास व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है।

### केनापारा में दो दिन डांडिया

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर ग्राम पंचायत तेलईकछार केनापारा में स्थित आदिशक्ति मां समलेश्वरी महामाया मंदिर प्रांगण में पहली बार 9-10 अक्तूबर को दो दिवसीय डांडिया कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है। यहां पर दो दिन तक शाम सात बजे से डांडिया नृत्य का कार्यक्रम संपन्न होगा। जिसमें भाग लेने वालों ने तैयारी शुरू कर दी है।

# भाजपा मंडल महामंत्री ने कलेक्टर से कीअवैध प्लाटिंग कर विक्रय किए जाने की शिकायत

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**
**बिश्रामपुर।** पिलखा उप तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर की कृषि भूमि को नियम विरूद्ध तरीके से आवासीय प्रयोजन हेतु अवैध प्लाटिंग कर विक्रय किए जाने की भाजपा मंडल महामंत्री ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। कलेक्टर को दिए ज्ञापन में शिवनंदनपुर भाजपा मंडल महामंत्री शीतिकांत स्वाई ने उल्लेख किया है कि ग्राम पंचायत शिवनंदनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 से सटा हुआ है, जो पिलखा उपतहसील अंतर्गत है। यहां पर वार्ड नंबर 8 अंतर्गत अवराडुग्गू में स्थित खसरा नंबर 232/6 कृषि मद की भूमि को भूमि स्वामी व अन्य भू माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से प्लाटिंग कर भूमि को छोटे-छोटे टुकड़ों में चौहद्दी काटकर आवासीय प्रयोजन हेतु विक्रय किया जा रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि यहां पर कृषि भूमि को बिना व्यपवर्तन कराए छोटे भू-खण्ड में विभाजित कर विक्रय करने से राज्य शासन को भारी राजस्व का नुकसान झेलना पड़ रहा है।नियमानुसार आवासीय प्रयोजन एवं निर्माण कार्य कराने हेतु भूमि का व्यपवर्तन कराना अनिवार्य होता है। इसमें राजस्व लगान शुल्क अदा करने हेतु ज्यादा दर निर्धारित है, जिससे की राजस्व में भी वृद्धि होती है। साथ ही परिवर्तित भूमि की बिक्री हेतु कलेक्टर से अनुमति लेनी होती है। इससे बचने के लिए भू-माफिया जमीन के क्रेता-विक्रेता कृषि भूमि को बिना व्यपवर्तन कराए ही छोटे भू-खण्डों में विक्रय कर दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत कॉलोनीनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्वन्धन तथा शर्त नियम 1999 के प्रावधान उन गांवों में लागु होंगे जो नगर पंचायत की सीमा से 8 किमी तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से 1 किमी की दूरी के दायरे में आएंगे। इस अधिनियम अंतर्गत संबंधित व्यक्ति को सक्षम अधिकारी के समक्ष कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण ग्राम पंचायत में बैंक गारंटी जमा करना तथा रजिस्ट्रीकरण शुल्क अदा करना अनिवार्य है। साथ ही अनुविभागीय अधिकारी, तहसीलदार एवं नगर तथा ग्राम निवेदन से अनापत्ति प्रमाण पत्र ग्रहण करना कुल भूमि के क्षेत्रफल में से आंशिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 15 प्रतिशत भूमि के रकबे को पंचायत के समक्ष आरक्षित रखना जरूरी है। ज्ञापन में कलेक्टर से मांग की गई है कि उक्त स्थल की सर्वप्रथम उक्त भूमियों के चौहद्दी सत्यापन पर रोक लगाते हुए भू-माफियों द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग को रोके जाने का निर्देश जारी किया जाए।

# महानवमी पर 11 अक्टूबर को जिले में स्थानीय अवकाश

**बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन।** बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लिए कलेक्टर श्री रिमिजियुस एक्का के द्वारा 11 अक्टूबर 2024 दिन शुक्रवार को महानवमी के अवसर पर स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

यह अवकाश कोषागारों/उप कोषागारों एवं बैंकों के लिये लागू नहीं होगा।

# रेडक्रास सोसायटी जिला प्रबंध समिति का निर्वाचन 19 अक्टूबर को

**बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी दी है कि भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा बलरामपुर के अंतर्गत जिला प्रबंधन समिति का निर्वाचन 19 अक्टूबर 2024 को प्रात: 11:00 बजे संयुक्त जिला कार्यालय के भवन के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। उन्होंने समस्त भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा बलरामपुर के समस्त संरक्षक, उपसंरक्षक, संस्थागत सदस्य एवं आजीवन सदस्यों को उक्त निर्वाचन के लिए मतदाता सह उम्मीदवार के रूप में आमंत्रित किया है। मतदाता सूची जिला कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। जिन सदस्यों का नाम उक्त सूची में नहीं है, वे कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी में उपस्थित होकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी रेडक्रास सोसाईटी शाखा बलरामपुर के नोडल अधिकारी डा. अनुज टोप्पो मोबाईल नम्बर 81036-73556 पर संपर्क कर सकते हैं।

# देवी-देवताओं, महापुरुषों का अपमान अस्वीकार्य, दोषियों को मिलेगी सजा

संवाददाता

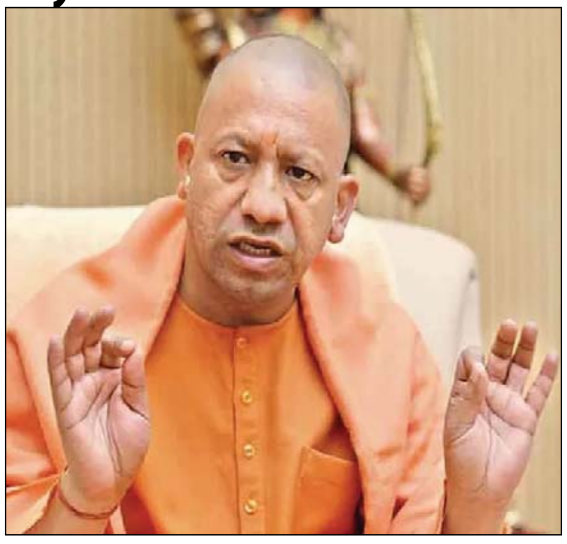

लखनऊ। अक्टूबर और नवंबर का महीना तीज-त्योहारों से भरा रहेगा। इसको लेकर आमजन में उत्साह का माहौल है तो पुलिस के आलाधिकारी शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर चिंतित हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लॉ एंड आर्डर को लेकर गंभीर नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि किसी भी जाति, मत-मजहब अथवा संप्रदाय से जुड़े हुए ईष्ट देवी-देवता, महापुरुषों अथवा साधु-संतों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए बाध्य नहीं किया सकता और जबरन किसी पर थोपा भी नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी-देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता पूर्वक सजा दिलवाई जाएगी, लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक-दूसरे का सम्मान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़-फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद-प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। माहौल खराब करने वालों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई करें।

योगी ने कहा कानून के खिलाफ काम करने वालों के साथ सख्ती से निपटें। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में फुट पेट्रोलिंग और पीआरवी 112 की पेट्रोलिंग तेज की जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग मिलकर काम करें। वहीं सीएम ने त्योहारों के दृष्टिगत सोमवार को मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए।

## बीरभूम में कोयला खदान में विस्फोट, छह लोगों की मौत, जांच जारी

एजेंसी

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में सोमवार को एक कोयला खदान विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। हालांकि, अब तक तीन शव बरामद किए जा चुके हैं। बोलपुर के एएसपी राणा मुखर्जी ने कहा कि खनन क्षेत्र में विस्फोट के बाद हम यहां पहुंचे तो हमें 6 शव मिले, तीन लोग घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है और पश्चिम बंगाल सरकार ने परिवारों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी मुआवजा भी देगी और फोरेंसिक टीम इस विस्फोट के पीछे की वजह की जांच करेगी। डब्ल्यूबीपीडीसीएल के एक अधिकारी ने बताया कि विस्फोट उस समय हुआ जब गंगारामचक और गंगारामचक-भदुलिया कोयला खदानों में विस्फोट करने के लिए डेटोनेटर ले जाए जा रहे थे। घटनास्थल का दौरा करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं स्थानीय विधायक अनूप साहा ने तब कहा कि कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है और तीन अन्य घायल हैं।

# भारत ने सदैव फर्स्ट रिसपॉन्डर की भूमिका निभाई : पीएम मोदी

## मुइज्जू के सामने पीएम मोदी ने गिनवा दिए मालदीव को किए सारे एहसान

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। हमने रक्षा और सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। एकथा हार्बर प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है। इंडियन ओसियन रीजन में स्थिरता और समृद्धि के लिए हम मिलकर काम करेंगे। कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में फाउंडिंग मेंबर के रूप में जुड़ने के लिए मालदीव का स्वागत है। भारत ने सदैव मालदीव के लिए फर्स्ट रिसपॉन्डर की भूमिका निभाई है। चाहे मालदीव के लोगों के लिए जरूरी वस्तुएँ की जरूरत पूरा करना हो, प्राकृतिक आपदा के समय पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, कोविड के समय वैक्सीन देने की बात हो, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है। हमने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का निर्णय लिया है। हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम करेंगे। इसके अतिरिक्त, हमने डिजिटल कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित किया है। हम सब मिलकर एक उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए काम करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि चाहे मालदीव के लोगों की आवश्यक जरूरतों को पूरा करना हो, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, या कोविड के दौरान टीके पहुंचाना हो, भारत ने हमेशा एक पड़ोसी के रूप में अपना कर्तव्य निभाया है।

**मौसम**

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

**बाजार**

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

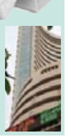

संसेक्स 81,332.72

निफ्टी 24,834.85

## मार्च 2026 तक पूरी तरह खत्म होगा वामपंथी उग्रवाद : गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में सुरक्षा और विकास की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि मैं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, डीजीपी और पूरी टीम को बधाई देता हूं क्योंकि जनवरी से अब तक 194 नक्सली मारे गए हैं, 801 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं और 742 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं नक्सलवाद से जुड़े सभी युवाओं से हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने की अपील करता हूं। उन्होंने कहा कि 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को देश से खत्म किया जा रहा है। अमित शाह ने कहा कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत, 2004 से 2014 तक इस योजना पर 1180 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि 2014-2024 तक हमने 3,006 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत हमने पिछले दस वर्षों में 3590 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। पिछले 10 वर्षों में 544 सुदृढ़ पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले सड़क नेटवर्क 2,090 किमी था, पिछले 10 वर्षों में सड़क नेटवर्क बढ़कर 11,500 किमी हो गया है।

# नई तकनीकों पर राजनाथ सिंह ने दिया जोर

## आज हम युद्ध और इसकी संभावनाओं के बीच जी रहे हैं

एजेंसी

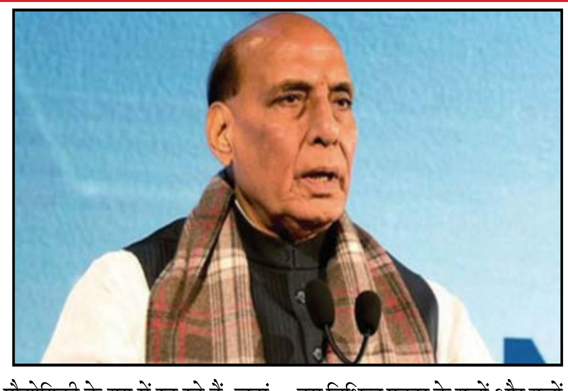

नई दिल्ली, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को ह्यडिफकनेक्ट 4.0ह्व के आयोजन का उद्घाटण किया। इसमें सशस्त्र बल, रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां, नवोन्मेषक और नीति निमार्ता स्वदेशी नवाचार को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर आएंगे। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं, जहां हम दुनिया को वैश्विक गाँव कहकर संबोधित करते हैं। जहां हमें यह लगता है कि लोगों के बीच की दूरियां अब कम हुई हैं। कहने को तो हम सूचान प्रौद्योगिकी के युग में रह रहे हैं, जहां हजार किलोमीटर दूर बैठे किसी व्यक्ति की सूचना हमारे पास सेकंड में पहुंच जाती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम विभिन्न प्रकार के युद्धों और युद्धों की संभावनाओं के बीच जी रहे हैं। इन युद्धों में लगातार नई तकनीकों को शामिल किया जा रहा है। इनमें न केवल पारंपरिक हथियारों और गोला-बारूद का उपयोग किया जा रहा है, बल्कि कई प्रकार के दोहरे उपयोग, या यहां तक ??कि पूरी तरह से नागरिक वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जा रहा है। उन्हें हथियार बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे में हमें इस प्रकार के तकनीकी अनुप्रयोगों को गहराई से समझना होगा। हमें यह देखना होगा कि हम अपनी रक्षा के लिए इन तकनीकों का कल्पनाशील उपयोग कैसे कर सकते हैं।

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यहां, मैं केवल अन्य युद्धग्रस्त दलों के अनुप्रयोगों की नकल के बारे में बात नहीं कर रहा हूं। इससे आगे बढ़ते हुए मैं आपका ध्यान उन सिस्टम या एप्लीकेशन की ओर आकर्षित करना चाहूंगा जो नये हैं और हमारे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक, ऊए ऊकरउ, अथवा इस तरह की योजना में, हम आपको अलग-अलग चुनौती देते हैं, और आप इसका समाधान देते हैं। जाहिर है ये समाधान, आपको दिए गए चुनौती पर निर्भर होते हैं, और इसलिए विशिष्ट होते हैं। पर मैं चाहता हूँ, कि आप सभी इन समाधान से आगे बढ़ते हुए, ऐसी प्रौद्योगिकियाँ, जैसे नवाचार ले आएँ जो अब तक की आवश्यकताएं से भी कहीं आगे की चीज हों, और वे हमारे रक्षा और सेवाएँ की जरूरत बन जाएँ।

**संक्षिप्त समाचार**

## सत्य पर आधारित नैतिक व चरित्रवान समाज की स्थापना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को सत्य पर आधारित नैतिक व चरित्रवान समाज की स्थापना करने की जरूरत पर बल दिया। बिरला ने कहा, हम सत्य व नैतिकता से ओत-प्रोत चरित्रवान एवं देशभक्त समाज की स्थापना न कर पाए तो हम देश को जिस वैभव तक ले जाना चाहते हैं, वह सम्भव नहीं हो पाएगा। बिरला ने कहा इसलिए इस चिंता को दूर करने के लिए सत्य पर आधारित नैतिक व चरित्रवान समाज की स्थापना करना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। बिरला परमशक्ति पीठ द्वारा संचालित वात्सल्य ग्राम में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि धन की कमी पूरी की जा सकती है लेकिन अगर सत्य और नैतिकता पर आधारित समाज नहीं होगा तो हम देश को उस वैभव तक नहीं ले जा सकते, जिसके लिए हमारे यहां कामना की जाती है। इसलिए हमें सत्य व नैतिकता पर आधारित समाज तैयार करना है।

## हिमाचल प्रदेश के ऊना में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

एजेंसी

नई दिल्ली, हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में स्थित अंब-अंदौरा स्टेशन से नयी दिल्ली जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस के चार डिब्बे उस समय क्षतिग्रस्त हो गए, जब उपद्रवियों ने ट्रेन पर पथराव किया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में कोई भी यात्री घायल नहीं हुआ।

# भाजपा के मंत्री और सपा नेता की सोशल मीडिया की लड़ाई थाने तक पहुंची

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा के एक कद्दावर नेता और योगी सरकार में मंत्री की समाजवादी पार्टी के एक नेता से सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस थाने तक पहुंच गई है। सोशल मीडिया की लड़ाई के किरदार यूपी कैबिनेट के मंत्री एके शर्मा के भाई ने सपा मीडिया सेल पर थाने पर रिपोर्ट लिखाई है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर यूपी सरकार के मंत्री एके शर्मा के ऑफिस के एक्स हैंडल और समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के एक्स हैंडल के बीच तीखी नोकझोंक सुर्खियों में है। दोनों ओर से एक-दूसरे पर बयान दिए गये, लेकिन अब इस विवाद ने कानूनी रूप ले लिया है। मंत्री एके शर्मा के भाई ने समाजवादी पार्टी के सदस्यों और उसके एक्सहैंडल के खिलाफ बीजेपी नेता को बदनाम करने का मामला मऊ जिले में दर्ज कराया है। बता दें कि एके शर्मा के ऑफिस और सपा मीडिया सेल के बीच बिजली, सफाई, कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे विभिन्न मुद्दों पर तीखी नोकझोंक 1 अक्टूबर को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुरू हुई थी। मगर 5 अक्टूबर को ये बातचीत आपत्तिजनक भाषा और गाली.गलौज में बदल गई।

इस संबंध में मंत्री एके शर्मा के आधिकारिक हैंडल से एक्स पर पोस्ट किया गया। मंत्री के भाई ने सपा नेताओं और सपा मीडिया सेल के खिलाफ मऊ जिले के एक थाने में परिवार के सदस्यों की मानहानि समेत विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। उम्मीद है कि सरकार और पुलिस इस पर संज्ञान लेकर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा मीडिया सेल ने आश्चर्य जताया कि क्या अपने भाई के जरिए एफआईआर दर्ज करवाकर मंत्री ने यह साबित कर दिया है कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की खबरें सच हैं। इसको लेकर सपा मीडिया सेल ने आज सोमवार को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया। बीजेपी के अंदरूनी हलकों में भी मंत्री के भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार को लेकर काफी चर्चा चल रही है। पोस्ट में आगे कहा गया है कि क्या मंत्री ने अंदर की जो खबरें सामने आ रही हैं, उनकी पुष्टि की है। मंत्री बहुत परेशान हैं। भ्रष्टाचार की सच्चाई सामने आने पर यह और बढ़ जाएगा। पोस्ट में एके शर्मा के शहरी विकास और बिजली विभागों के बारे में खबरों की कतरनों के साथ कई पोस्ट भी जारी किए गए। मालूम हो कि सफाई कर्मचारियों से जुड़ी एक खबर को शेयर करते हुए सपा मीडिया सेल ने अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए एक पोस्ट किया था। इससे पहले एके शर्मा के ऑफिस के हैंडल से की गई पोस्ट में अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया था। इस बारे में पूछे जाने पर सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा के बीजेपी हमेशा हमारे खिलाफ; असंसदीय भाषा बोलती है।

## विधानसभा चुनाव से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों की मरम्मत की जाएगी: आतिशी

एजेंसी

नई दिल्ली, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार सड़क मरम्मत समेत विभिन्न कार्यों को फिर से शुरू करेगी, जिन्हें आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के जेल में रहने के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कथित तौर पर बाधित किया था। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनकी सरकार अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत करवाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी ने 89 क्षतिग्रस्त पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) सड़कों की पहचान की है, जिनकी मरम्मत की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए 74 टेंडर जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप नेताओं ने कई निरीक्षणों के दौरान कुल 6,671 गड्ढों की पहचान की है और इनमें से 3,454 को पहले ही भरा जा चुका है। संवाददाता सम्मेलन को केजरीवाल ने भी संबोधित किया। केजरीवाल ने कहा, जब मैं जेल में था, तो इन लोगों (भाजपा) ने दिल्ली सरकार के कई काम रोक दिए थे। मेरे लौटने के बाद, मैंने और आतिशी ने सड़कों का निरीक्षण किया और पाया कि वे अच्छी स्थिति में नहीं थीं।

# नवरात्रि के दीए के कारण मुंबई की झुग्गी बस्ती में लगी भीषण आग, सात लोगों की मौत

एजेंसी

मुंबई, अवैध रूप से एकत्रित किए गए केरोसीन और घर के मंदिर में जलाए गए नवरात्रि के दीये के कारण चेंबूर पूर्व में एक भूतल-प्लस-दो झुग्गी बस्ती में भीषण आग लग गई। नवरात्र के दौरान जलाए गए दीए के कारण ये आग लगी। देखते ही देखते आग ऐसी फैली की एक ही परिवार के सात सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया।

जानकारी के मुताबिक घटना सिद्धार्थ नगर की है जहां एक मकान में रहने वाले गुप्ता परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई, जब रविवार सुबह करीब 4.45 बजे आग लग गई और तेजी से ऊपर की ओर फैल गई। आग गुप्ता परिवार के ग्राउंड फ्लोर स्थित पूजा कक्ष से शुरू हुई और बगल की किराना दुकान तक फैल गई, जहां 25 लीटर केरोसिन रखा हुआ था। आग की लपटें और धुआं पूरी इमारत में फैल गया और सुबह 5 बजे तक पहली मंजिल तक पहुंच गया। परिवार के सात सदस्य - मंजू प्रेम गुप्ता (30), प्रेम छेदीराम गुप्ता (30), अनीता धर्मदेव गुप्ता (39), गीतादेवी गुप्ता (60), प्रीति प्रेम गुप्ता (6), नरेंद्र गुप्ता (10) और विधि छेदीराम गुप्ता (15) सभी आग में जलकर मर गए। राजावाड़ी अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिवार के दो सदस्य-धर्म देव गुप्ता (45) और उनके पिता छेदीराम गुप्ता (70)- भागने में सफल रहे, जब छेदीराम नीचे शौचालय जाने के लिए उठे, तो उन्होंने आग की लपटें देखीं और शोर मचाया। पड़ोसी नीलम चौरसिया ने बताया, उन्होंने अपने बेटे को आवाज लगाई और वे बाहर निकलने में सफल रहे। सदमे की हालत में छेदीराम को पड़ोसी के घर ले जाया गया, लेकिन उन्हें अपने परिवार में हुई मौतों के बारे में नहीं बताया गया। बचाव दल में शामिल दर्पण एस ने कहा, आग लगते ही हमने परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने में मदद की। लेकिन जब तक हम टिन की छत पर पहुंचे, तब तक आग पहली मंजिल तक फैल चुकी थी। दुर्भाग्य से, तब तक कई लोग बहुत सारा धुआँ अंदर ले चुके थे। वकोला में रहने वाली छेदीराम की बेटी वनिता गुप्ता सुबह 6.30 बजे एक दोस्त से यह सुनने के बाद घटनास्थल पर पहुंची कि उसके माता-पिता के घर में आग लग गई है। उसे बाद में ही पता चला कि आग लगने से कितनी भयानक मौतें हुईं। उसने कहा, मैंने सुना कि मेरी छोटी भाभी की मौत हो गई है, लेकिन मुझे नहीं पता था कि बाकी लोगों की भी मौत हो गई है। मंजू के पिता करण लालचंद गुप्ता ने अपना दुख साझा करते हुए कहा, धुआं इतना तेज था कि वे इसे अंदर ले गए और मर गए।

# देश के सबसे बड़े ड्रग्स रैकेट से मुश्किल में घिरी कांग्रेस

### 5600 करोड़ रुपए के ड्रग्स ने बढ़ाई दिक्कत

एजेंसी

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में 5600 करोड़ रुपए रुपए के ड्रग्स को बरामद किया गया है, जिसके बाद इस मामले पर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ने इस पूरे मामले पर कांग्रेस के पूर्व युवा नेता पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कई सवाल खडे.किए हैं। हालांकि, कांग्रेस ने इन तमाम आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस का इससे कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन बावजूद इसके भाजपा इस पूरे मामले पर कांग्रेस को घेरने में लगी है। कांग्रेस से इसकी जवाबदेही मांगी जा रही है। केंद्रीय एजेंसी ने 560 किलोग्राम कोकेन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मैरिजुआना को साउथ दिल्ली से सीज किया था। इस पूरे मामले में इंटरनेशनल ड्रग रैकेट कनेक्शन सामने आ रहा है।

### कांग्रेस से जुड़े हुए हैं तार!

इस मामले में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उसमे तुषार गोयल अहम है, जिसे इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया है कि तुषार गोयल दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस की आरटीआई सेल का चेयरमैन था। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने इस पूरे मामले में कांग्रेस को खुलकर घेरा है, उसके बाद यह मामला तूल पकड़ गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस युवाओं को ड्रग्स की ओर ढकेल रही है और उससे जो पैसा आ रहा है उसका इस्तेमाल चुनाव लड़ने में किया जा रहा है।

### चुनाव में ड्रग्स के पैसे की आशंका

भाजपा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है कि इसी ड्रग्स के पैसे का इस्तेमाल हरियाणा के चुनाव में किया गया है। पार्टी ने पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा और उनके पूरे राजनीतिक खेमे को घेरे में लिया है। अहम बात यह है कि यह पूरा मामला ऐसे समय में आया है जब चार राज्यों में चुनावी सरगर्मी तेज है।

### कांग्रेस में शामिल है आरटीआई सेल का चेयरमैन

इस पूरे मामले में भाजपा ने तुषार गोयल की संलिप्तता को लेकर कांग्रेस पर सीधे सवाल किया है। भाजपा ने मांग की है कि तुषार गोयल की कांग्रेस पार्टी में भूमिका की जांच होनी चाहिए। गोयल 2022 में आरटीआई सेल का चेयरमैन था। जिस तरह से तुषार गोयल की कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ तस्वीर सामने आई है उसने इस पूरे विवाद को और तूल दे दिया है।

### राजनीति से जुड़ी ड्रग्स रैकेट की कड़ियां

कांग्रेस से भाजपा ने सवाल किया है कि क्या हरियाणा चुनाव में ड्रग्स के पैसे का इस्तेमाल किया गया था। अगर ये आरोप सही पाए जाते हैं तो संगठित अपराध और राजनीति के बीच इसकी पैठ कितनी गहरी है, यह खुलकर सामने आ जाएगी इन तमाम आरोपों पर कांग्रेस ने तुषार गोयल के साथ किसी भी तरह के संबंध होने से इनकार किया है और भाजपा के सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे फर्जी बताया है।

### इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ड्रग रैकेट से जुड़े तार!

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल इस पूरे मामले में जांच कर रही है और तुषार गोयल के संभावित इंटरनेशनल ड्रग रैकेट के साथ जुड़े तार की भी जांच कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गोयल का मिडिल ईस्ट में गहरा लिंक है और माना जा रहा है कि पूरे भारत में उसने ड्रग्स को फैलाने का काम किया। अगर तुषार गोयल का कांग्रेस के साथ लिंक पाया जाता है तो यह निसंदेह पार्टी के लिए मुश्किल बढ़ा सकता है।

### अमित शाह ने भी कांग्रेस को घेरा

गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस मूद्दे को उठाते हुए लोगों को याद दिलाया कि कैसे कांग्रेस के शासनकाल में हरियाणा और पंजाब में ड्रग्स का कारोबार फला-फूला। अमित शाह ने बताया कि कैसे पहले की कांग्रेस सरकार में ड्रग्स रैकेट के खिलाफ कार्रवाई सिर्फ नाम मात्र की होती थी, लेकिन भाजपा सरकार में चीजें बदल गई हैं।

## सम्पादकीय

# देश में अवैध ड्रग्स के डार्क नेटवर्क का खात्मा जरूरी

देश में मादक पदार्थ के काले कारोबार का डार्क नेटवर्क बड़ा से बड़ा होता गया है। यह इससे पता लगता है कि ड्रग्स की बड़ी खेप लगातार पकड़ी जाती रही हैं। अभी गुजरात एटीएस व दिल्ली एनसीबी ने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में एक फैक्टरी से 1,814 करोड़ रुपये की कीमत का मेफेड्रोन (एमडी) मादक पदार्थ और उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल जब्त किया। गुजरात के आतंकवाद-रोधी दस्ते (एटीएस) और दिल्ली के स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने ठोस तथा तरल रूप में कुल 907.09 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद किया। उधर, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने लगभग 5,600 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ की जब्ती के मामले की जांच के सिलसिले में पंजाब के अमृतसर से 10 करोड़ की कोकीन बरामद की है। दो अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने शहर में मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी, जिसमें 560 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना जब्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 5,620 करोड़ रुपये है। यह पहली बार नहीं है जब इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े गए हैं, इससे पहले मुंदरा पोर्ट से 21 हजार करोड़ रुपये की ड्रग्स समेत अनेक मौकों पर हजारों करोड़ रुपये के मादक पदार्थ पकड़े गए हैं। वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत में वर्ष 2020 में 5.2 टन अफीम की चौथी सबसे बड़ी मात्रा ज़ब्त की गई थी और तीसरी सबसे बड़ी मात्रा में मॉर्फिन (0.7 टन) भी उसी वर्ष ज़ब्त की गई थी। भारत में ड्रग्स के अवैध कारोबार की जड़ें गहरी हैं और इसमें विदेशी एजेंसियां भी लिप्त हैं। भारत डेथ (गोल्डन) क्रीसेंट और डेथ (गोल्डन) ट्रायंगल के बीच स्थित है। इन दो क्षेत्रों से ड्रग माफियाओं द्वारा यहां हेरोइन तथा मेथामफेटामाइन जैसे नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है। डेथ (गोल्डन) क्रीसेंट में अफगानिस्तान, ईरान और पाकिस्तान शामिल हैं। डेथ (गोल्डन) ट्रायंगल में वियतनाम, थाईलैंड, लाओस और म्यांमार शामिल हैं। चीनी माफियाओं से भी बढ़ावा मिलता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की रिपोर्ट के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में समुद्री मार्गों के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी, भारत में तस्करी की जाने वाली कुल अवैध नशीली दवाओं का लगभग 70 फीसदी हिस्सा होने का अनुमान है। मादक पदार्थ की लत से अनेक सामाजिक, पारिवारिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सरकार नशे के खिलाफ अभियान भी चला रही है, इसके बावजूद नशे की बेल बढ़ती ही जा रही है। विदेशी खुफिया ताकतें भी भारत में ड्रग्स के डार्क नेटवर्क को बढ़ावा देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का प्रयास करती हैं। अमेरिका में नई घातक ड्रग्स ज़ोंबी दवा (फेंटानिल) के विषय में पता चला है। ड्रक्स नेटवर्क का कनेक्शन आतंकवाद, मनी लॉन्ड्रिंग व भ्रष्टाचार आदि से भी जुड़ा होता है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 2018-25 की अवधि हेतु ड्रग डिमांड रिडक्शन के लिए योजना तैयार की है। यह योजना निवारक शिक्षा, जागरूक पीढ़ी, नशीली दवाओं पर निर्भर व्यक्तियों की पहचान, परामर्श, उपचार और पुनर्वास पर केंद्रित है। नारकोटिक ड्रग्स के खिलाफ भारत संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन से भी जुड़ा है। डार्कनेट, क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन, हाईटेक, कोडिंग आदि के प्रयोग के चलते ड्रक्स के अवैध कारोबार को क्रेक करना मुश्किल रहता है। इसके बावजूद सरकार व पुलिस के लिए अवैध ड्रग्स के डार्क नेटवर्क का खात्मा जरूरी है, ताकि युवा पीढ़ी को नशे के जाल में फंसने से बचाया जा सके।

## विमर्श
डॉ. रमेश ठाकुर

# आपदा से निपटने में सरकारी तंत्र पहले से हो रहा बेहतर

कुदरती आपदाएं कब आ जाएं, कुछ नहीं पता? देश में पूरे साल कहीं न कहीं कुदरत का रौद्र रूप अपना कहर बरपाता रहता है। बिहार का मिथिला कहा जाने वाला क्षेत्र भी इस वक्त बाढ़ से प्रभावित है। असम में तेज बारिश ने कमोबेश कुछ वैसी ही स्थिति उत्पन्न की हुई है, जैसी बिहार में बनी है। सवाल उठता है कि इस तरह की आपदाओं से निपटने के लिए हमारा सिस्टम पहले से कितना बेहतर हुआ या आत्मनिर्भरता के शोर में कुछ फीका पड़ गया है? आत्मनिर्भता की जागरूकता के लिए केंद्र व राज्य सरकारों ने बीते एक दशक से अभियान छेड़ा हुआ है कि कुदरती आपदाओं से निपटने के लिए सरकारी तंत्र के अलावा आमजन को भी आगे आना चाहिए, सिर्फ एनडीआरएफ और अन्य राहत-बचाओ दलों के भरोसे नहीं रहना चाहिए। महज पिछले वर्ष के आंकड़ों पर नजर डालें, तो देश में अचानक आई आपदाओं से निपटने के लिए हमारा तंत्र पूरी तरह एनडीआरएफ पर निर्भर रहता है। क्योंकि ये विभाग भरोसे का प्रतीक बन गया है। आपदाएं किसी को बताकर नहीं आती? पर, अब ऐसे बहुत से साइंटिफिक आविष्कार हमारे पास मौजूद हैं जिससे हम कम से कम प्राकृतिक आपदाओं का समय रहते आकलन और बेहतर प्रबंधन कर सकते हैं। साल-2005 के बाद से सरकारी स्तर पर हालात बदले और राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल अथवा एनडीआरएफ का गठन किया गया।

इस एनडीआरएफ के गठन के बाद से प्राकृतिक ही नहीं, मानव जनित आपदाओं के प्रबंधन की दशा भी बेहतर हुईं। अब संकट के समय में एक अलग अतिरिक्त बल है जिसके पास अलग-अलग तरह के संकटों से निपटने की क्षमता और दक्षता दोनों है। बहरहाल, एनडीआरएफ और इनके जैसी संस्थाओं को और मजबूती प्रदान करने की दरकार है। आपदाग्रस्त क्षेत्रों में तात्कालिक मदद और दीर्घकालिक सहायता दोनों चाहिए होती है। दीर्घकालिक सहायता प्रदान करने के लिए सरकार के पास समय होता है। पर, जो तात्कालिक मदद चाहिए, वह इतना त्वरित और प्रभावी होनी चाहिए कि आपदा का जनजीवन से न्यूनतम ही असर हो। इसमें न केवल उनके जान माल की रक्षा बल्कि कई बार उनके लिए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था भी देनी होती है। इसीलिए एनडीआरएफ को त्वरित गति से सक्रिय करने के लिए केंद्र ने कई अहम निर्णय लिए हैं जो काबिले तारिफ हैं। जब किसी संस्था के सामने ये लक्ष्य होता है कि हम आपदा में किसी एक की भी जान नहीं जाने देंगे, तो उनकी कार्य करने की कार्यशैली अलग होगी। यह रक्षा दलों में जो आत्मविश्वास पैदा करता है उसके कारण उनकी सक्रियता ज्यादा तेज और जीवनोपयोगी हो जाती है। केरल के वायनाड में बादल फटने से हुई भारी बारिश के बाद जो तबाही आई, उसमें एनडीआरएफ का राहत एवं बचाव कार्य सभी ने देखा। वहीं, केंद्र सरकार ने भी बिना राजनीतिक भेदभाव किए लोगों को बचाया और प्रत्येक परिस्थितियों पर नजर रखी और हर संभव मदद पहुंचाई। गौरतलब है कि आपदाओं के वक्त कई बार ऐसा होता है कि घटना इतनी बड़ी हो जाती है कि अकेले एनडीआरएफ नहीं संभाल सकता। जैसे, गुजरात भूकंप, त्रिपुरा या केरल में आई बाढ़। उस समय पहले की तरह सैन्य बलों और स्थानीय राहत एवं बचाव कर्मियों के बीच समन्वय करते हुए एनडीआरएफ इस काम को अंजाम देता है।

यही कारण है कि गृहमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आपदाओं को लेकर अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को भी जागरूक किया जाए, ताकि ऐसी स्थितियों में आमजन भी एनडीआरएफ कर्मी का सहयोग करें। केंद्र सरकार ने हाल ही में एनडीआरएफ की पोशाक में बदलाव किया है। भगवा रंग में दिखने लगे हैं अब कर्मी। आपदाओं के वक्त इनके आने से लोग समझ जाते हैं कि अब हालात नियंत्रण में आ जाएंगे। यही भरोसा किसी भी आपदा रक्षा बल की ताकत होता है। फिर भी 140 करोड़ के देश में प्राकृतिक से अधिक मानव निर्मित आपदाएं आती ही रहती हैं जिसमें 16,000 जवानों वाले एनडीआरएफ ने जिस प्रकार से अपनी मदद से मौजदूगी दर्ज कराई है उसके कारण आज भारत आपदाओं से बचाव में आत्मनिर्भर दिखने लगा है। केंद्र सरकार ने पृथ्वी मंत्रालय का गठन कर विज्ञानिक सूचनाओं का सहारा लेकर जीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य की ओर मजबूती से अपना कदम बढ़ाया है। निश्चित रूप से 20 साल से कम समय एनडीआरएफ ने आपदा में बचाव का जो रिकॉर्ड बनाया है, उसमें वर्तमान केंद्र सरकार की स्पष्ट नीति और बल को सशक्त बनाने के लिए किया जाने वाला उपाय शामिल है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# अंधविश्वास की जड़ें अभी भी गहरी है

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

पिछले दिनों उत्तरप्रदेश के हाथरस जिले के रसगांव स्थित एक निजी स्कूल के तरक्की के लिए स्कूल के हास्टल के ही एक 11 साल के बच्चे की बलि चढ़ाने की खबर प्रकाश में आई। आश्चर्यजनक तौर पर इस घटना का अंजाम किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं बल्कि उस स्कूल के प्रबंधक, प्रिंसिपल और शिक्षकों ने मिलकर दिया। विचारणीय है कि अंधविश्वास को खत्म करने के लिए जहां शिक्षा का प्रसार किया जा रहा है वहीं जिनके जिम्मे शिक्षा की जवाबदेही है उन्होंने ही अंधविश्वास को बढ़ाने का कृत्य कर डाला। बहरहाल अंधविश्वास की जड़ें पूरे देश में फैली हुई है और इसमें सभी धर्मों और समाज के लोग भरपूर खाद-पानी डाल रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के एक गांव में एक बच्ची को जादू टोने से बीमार करने के शक में दो महिलाओं सहित चार लोगों की निर्मम हत्या की स्याही सूखी भी नहीं थी कि नक्सल प्रभावित सुकमा के एक गांव में जादू- टोना से बच्चों को बीमार करने की आशंका के चलते तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को लाठियों से पीट-पीट कर मौत की नींद सुला दिया। देश आज भी 2018 में दिल्ली का बुराड़ी कांड नहीं भूला है जिसमें एक ही परिवार के 11 लोगों ने अंधविश्वास के फेर में अपनी जान दे दी। देश के सबसे साक्षर राज्य केरल में अंधविश्वास के चलते 2 महिलाओं की बलि ने यह साबित कर दिया है कि अंधविश्वास जैसे अवैज्ञानिक मान्यता की जड़ें इक्कीसवीं सदी के भारत में अभी भी गहरी है। आश्चर्यजनक तौर पर इस कृत्य को एक डॉक्टर और उसके पत्नी ने आय बढ़ाने के लिए एक तांत्रिक के जरिए अंजाम दिया था।

विचारणीय है कि शिक्षा और विज्ञान के व्यापक विकास और प्रसार के बावजूद भारतीय समाज में टोने-टोटके और भूत-प्रेत का अस्तित्व मानने वालों की कमी नहीं है। विडंबना यह है कि छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में महिलाओं को डायन या टोनही ठहराने या किसी व्यक्ति को तंत्र-मंत्र के नाम पर प्रताड़ित करने की घटनाएं आए दिन घटित हो रही है। अंधविश्वास के प्रति बढ़ते विश्वास के चलते ही कई परिवारों को जादू-टोना के आरोप में सामाजिक बहिष्कार का अभिशाप भी झेलना पड़ रहा है। समाज में जारी पुरुष प्रधान व्यवस्था के चलते अंधविश्वास का सबसे ज्यादा शिकार महिलाएं हो रहीं हैं जो डायन या टोनही का कलंक लेकर तिरस्कृत जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। आधुनिक युग मे अंधविश्वास का पनपना सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है। आश्चर्यजनक तौर पर अशिक्षित या ग्रामीण परिवेश का व्यक्ति ही नहीं बल्कि शिक्षित और शहरी तबका भी जादू - टोना, झाड़-फूंक या ताबीज-गंडे का सहारा ले रहा है। आम भारतीयों की बात करें तो वे रोजमर्रा के टोटके जैसे बिल्ली का रास्ता काटने पर रास्ता बदलने, कुत्ते और बिल्ली के रोने और बिल्लियों के झगड़ने पर अनिष्ट की आशंका, छींक आने पर काम में बाधा, आंख फड़कने पर लाभ या हानि का टोटका, व्यवसायिक संस्थानों में नीबू - मिर्च लटकाने, बच्चों के नजर उतारने, परीक्षा में सफलता पाने के लिए टोटके अपनाने और शगुन-अपशगुन जैसे अनेक रूढ़िवादी अंधविश्वास का शिकार हैं। दरअसल ये सभी विचार या टोटके ही व्यक्ति में अंधविश्वास का बीजारोपण करते हैं जिससे हर लिहाज में बचा जाना चाहिए। भारत में अंधविश्वास पनपने का मूल कारण यहां के लोगों खासकर महिलाओं का बहुत ज्यादा धर्मभीरु होना है जिसके चलते लोग ठगी का भी शिकार हो रहे हैं। मीडिया में आए दिन महानगरों से लेकर छोटे शहरों से तांत्रिकों के फेर में फंसकर अनेक परिवारों द्वारा लाखों रुपए लुटाने की खबरें आती रहती है। विडंबना यह कि शिक्षित तबका भी बीमारी, नौकरी, आर्थिक समस्या, गृह क्लेश, दांपत्य सुख और निःसंतानता जैसी समस्याओं के लिए जादू-टोना या तंत्र-मंत्र और बलि जैसे अंधविश्वास का सहारा ले रही है।

विचारणीय है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहां विभिन्न दलों के राजनेता बहुतों के आदर्श होते हैं जिनका लोग अनुसरण करते हैं लेकिन हमारे राजनेता सबसे ज्यादा अंधविश्वासी नजर आते हैं। हमारे नेता चुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करने, शपथ लेने अथवा पदभार संभालने के लिए मुहूर्त देखने के अंधविश्वास पर निर्भर हैं यहां तक कि उनमें पितृपक्ष में अनेक नवीन फैसलों या राजनीतिक निर्णयों को भी टालने की प्रवृत्ति होती है। सरकारी बंगलों और कार्यालयों में वास्तुदोष और ग्रहदोष के नाम पर सरकारी पैसों से तोड़ फोड़ कराना नेताओं का आम शगल बन चुका है। अमूमन सभी राजनीतिज्ञ किसी न किसी ज्योतिषी या तांत्रिकों के फेर में रहते हैं जिसका अनुसरण उनके समर्थक या आम जनता करते हैं। राजनीतिज्ञों द्वारा सत्ता पाने या अपने विरोधी को राह से हटाने के लिए तांत्रिकों के शरण में जाने या तंत्र-मंत्र का सहारा लेने की खबरें आम है। पाठकों के स्मरण में होगा कि स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में धीरेन्द्र ब्रह्मचारी और स्व. पीवी नरसिंह राव के कार्यकाल में चंद्रास्वामी जैसे ज्योतिष और तांत्रिकों की खूब तूती बोलती थी। अलबत्ता इसके अलावा अनेक शीर्ष नेताओं के विभिन्न धर्म गुरूओं और उनके आश्रमों के पीछे अगाध आस्था के पीछे प्रमुख वजह सत्ता के लिए तांत्रिक क्रिया, पूजा-अनुष्ठान या कथित ग्रह शांति के उपाय ही है। दूसरी ओर सिर्फ राजनेता ही नहीं बल्कि नौकरशाह, जज, इंजीनियर, उद्योगपति और सेलेब्रिटी भी वास्तुदोष जैसे अंधविश्वास के गिरफ्त में हैं।

बहरहाल देश में बढ़ते अंधविश्वास के लिए हमारी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक परिस्थितियों के अलावा अशिक्षा, बीमारी और गरीबी जैसे कारण जिम्मेदार हैं। आज भी वनांचलों और दुर्गम ग्रामीण इलाकों में शिक्षा और स्वास्थ्य की पहुंच बेहद लचर है फलस्वरूप इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग बीमार होने या सर्पदंश का शिकार होने पर गांव के बैगा-गुनिया या ओझाओं के झाड़-फूंक का सहारा ले रहे हैं। समाज का एक तबका गरीबी के चलते शिक्षा और इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ है लिहाजा वह अंधविश्वास के फेर में उलझ रहा है। देश में मानसिक रोगियों की तदाद में लगातार बढ़ोतरी हो रही है लेकिन अशिक्षा और अज्ञानता की वजह से लोग मानसिक रोगों के लक्षणों से अनजान रहते हैं और झाड़-फूंक या तांत्रिक क्रियाओं का सहारा लेते हैं। विडंबना यह कि इस क्रिया में तांत्रिक या बैगा-गुनिया द्वारा पीड़ित व्यक्ति को शारीरिक प्रताड़ना दी जाती है अथवा गरम सलाखों से दागा जाता है अथवा उसे जंजीरों से बांधा जाता है। परिजनों को मनोरोग के लक्षण पहचान नहीं होने और मानसिक रोगियों के उचित समय पर उपचार नहीं मिलने की वजह से मनोरोगियों द्वारा आत्महत्या करने की खबरें लगातार आती रहती हैं।

इसी साल जुलाई में उत्तरप्रदेश के हाथरस में एक धार्मिक सत्संग में मचे भगदड़ में 122 लोगों की मौत हो गई वहीं सैकड़ों लोग बुरी तरह से जख्मी हुए थे। यह घटना कथित 'भोले बाबा' के पैरों की धूल लेने की होड़ में घटित हुई थी। दरअसल आज लोग चमत्कार की आस में दवा और दुआ को परे रखकर बाबाओं के शरण में जा रहे हैं फलस्वरूप समाज में अंधविश्वास और पाखंड दिनों-दिन बढ़ रहा है। विडंबना यह कि देश की युवा पीढ़ी भी अंधविश्वास के चक्रव्यूह में उलझ रहे हैं जो देश और समाज के लिए चिंताजनक है। युवाओं का धार्मिक होना एक सुखद संकेत है लेकिन पाखंड और अंधविश्वास के जंजाल में उलझना उनके भविष्य के राह में बाधक ही है। युवाओं को आस्था और अंधविश्वास के फर्क को समझना होगा। धार्मिक आस्था जहां लोगों में साकारात्मकता लाती है वहीं अंधविश्वास से नाकारात्मक भाव का संचार होता है। आध्यात्म में जहां विज्ञान और मनोविज्ञान है वहीं अंधविश्वास पूर्ण रूपेण अवैज्ञानिक, अतार्किक और पाखंड के बुनियाद पर टिका है।

अंधविश्वास के बाजार को बढ़ावा देने में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल्स और सोशल मीडिया भी काफी हद तक जवाबदेह हैं। विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जहां अंक ज्योतिष और कुंडली के नाम पर टोटके बताने वाले कार्यक्रम परोस रहे हैं वहीं अनेक चैनल भूत - प्रेत के नाम पर सनसनी फैलाने वाले कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं जिसका बच्चों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इन चैनलों पर ऐसे कथावाचकों या संतों व बाबाओं के धार्मिक कार्यक्रम प्रसारित होते हैं जिसमें वे दर्शकों को विभिन्न समस्याओं से छुटकारा पाने या परीक्षा में सफलता के लिए टोटके बताते हैं। अलबत्ता यह अतिशयोक्ति नहीं होगी कि सोशल मीडिया अंधविश्वास और डर फैलाने का बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है। इस मीडिया में तो बाल और नाखून कटवाने के दिन वार निश्चित करते हुए बीमारी से लेकर बेरोजगारी, आर्थिक उन्नति, पारिवारिक क्लेश से मुक्ति के तमाम टोटके उपलब्ध हैं। आलम यह कि वास्तुदोष और शुभ - अशुभ के नाम पर अनेक पेड़ - पौधों को घरों में लगाने और घर से बाहर करने के तमाम अंधविश्वास मौजूद हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

## निंदा का परित्याग

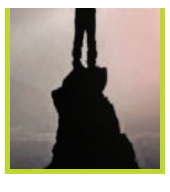

संकलित
दर्शन

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में निर्वहन के लिए व्यक्ति के सामाजिक गुणों का अत्यंत महत्व है। गुणी व्यक्ति को प्रत्येक जगह सम्मान की प्राप्ति होती है। संसार के प्रत्येक प्राणी में कुछ गुण तो कुछ अवगुण पाए जाते हैं, परंतु कुछ लोग हैं जो दूसरे के अवगुणों को ही देखते हैं। वे किसी भी सकारात्मक पक्ष में नकारात्मकता देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। प्रायः ऐसे लोगों में निंदा की प्रवृत्ति पाई जाती है। वे ऐसा करके खुद को समाज में श्रेष्ठ एवं दूसरे को नीचा साबित करना चाहते हैं। निंदा एक नशे की भांति है, जो एक बार इसका आदी हो गया, वह दिन-प्रतिदिन इसके पाश में जकड़ता चला जाता है। मनीषियों ने निंदा को दुर्व्यसन के समान माना है, जो निंदा करने वाले व्यक्ति को अंदर ही अंदर नैतिक रूप से समाप्त करती रहती है। एक बार एक आचार्य अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे। शिक्षा प्राप्ति के दौरान एक शिष्य अन्य शिष्यों की ओर संकेत करते हुए आचार्य से कहने लगा कि 'वे अपना कार्य सही से नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है इन लोगों को कार्य करना ही नहीं आता।' आचार्य बोले, 'तुमको छोड़ अन्य सारे शिष्य सही से कार्य कर रहे हैं।' इस पर शिष्य असहज हो गया। उसने आचार्य से पूछा, 'वह कैसे?' आचार्य बोले, 'क्योंकि वे लोग अपने कार्य में संलग्न हैं, किंतु तुम अपने कार्य पर ध्यान न देकर, दूसरों के कार्य की निंदा करने में अपने समय की बर्बादी कर रहे हो।'

## एक सत्संग ऐसी भी

संकलित
प्रेरणा

एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के घर एक पिंजरे में तोता पाला हुआ था। तोता एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहाँ जाते है। सेठजी बोले कि, सत्संग में ज्ञान सुनने जाते है। तोता कहता है, सेठजी संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते है कि महाराज हमारे घर जो तोता है उसने पूछा हैं की वो आजाद कब होगा? संत जी ऐसा सुनते हीं बेहोश होकर गिर जाते है। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते है तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते है तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे हीं उसे पिंजरे से बाहर निकालते है, तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते है कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहाँ हैं। सेठजी कहते हैं, हाँ महाराज आज सुबह-सुबह वो जानबुझ कर बेहोश हो गया , मैंने देखा की वो मर गया है इसलिये मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आये मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया।

## अंतर्मन

### आज की पाती

#### स्वदेशी की राह

महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन और स्वदेशी आंदोलन चलाकर देश को आजाद कराने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने 1920 में असहयोग आंदोलन चलाकर न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा इनकी होली जलाने तक ही सीमित रखा, बल्कि उद्योग कलाकारी, भाषा, शिक्षा, वेशभूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चढ़ा दिया था। भारत के गुलाम होने का आधार था ईस्ट इंडिया कंपनी का भारत आना। देश की सभ्यता, संस्कृति, भाषा, कलाकृति और प्राचीन कौशल की राह देश को आत्मनिर्भर बनाने का सपना पूरा करने में सरलता पैदा करेगी। अगर हम इतिहास के पन्नों पर नजर दौड़ाएं तो यह पता चलेगा कि स्वदेशी ही हमारे देश के स्वाधीनता संग्राम का मूल मंत्र रहा। हमारे देश के लिए गर्व की बात है कि हमारे उत्पाद विदेशी मंडियों की शान बनकर विदेशियों तक पहुंच रहे हैं।

*- प्रवीण ठाकुर, अंबिकापुर*

## करंट अफेयर

# भारतीय चिकित्सकों के लिए 'ग्रीन कार्ड' में लाए तेजी

अमेरिका में भारतीय मूल के चिकित्सकों के एक प्रमुख संगठन के अध्यक्ष ने आगामी चुनाव के बाद सरकार बनाने वाले अमेरिकी प्रशासन से आव्रजन एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधारों को प्राथमिकता देने और भारत के चिकित्सा पेशेवरों के लिए 'ग्रीन कार्ड' जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आह्वान किया है। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। 'अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियन ऑफ इंडियन ओरिजिन' (एएपीआई) के अध्यक्ष डॉ. सतीश कथुला ने साक्षात्कार में कहा कि सभी लोगों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित करना, आव्रजन और वीजा, चिकित्सा में प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल, विविधता और भेदभाव का विरोध– ये कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें अगले 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) प्रशासन को प्राथमिकता देनी चाहिए। एएपीआई 1982 में स्थापित किया गया था। यह अमेरिका में भारतीय मूल के 1,20,000 से अधिक चिकित्सकों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाला सबसे बड़ा जातीय चिकित्सा संगठन है। कथुला ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऐसे कई चिकित्सक हैं जिनके पास 15–20 साल से अमेरिका में रहने के बाद भी एच–1बी कार्य वीजा ही है।

## ऑफ बीट

# पश्चिम आस्ट्रेलिया में एक लाख साल पहले हुई थी वर्षा

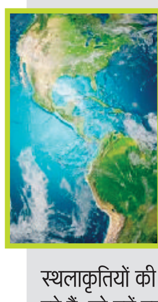

पृथ्वी की सतह का लगभग छठा हिस्सा कुछ इस तरह की स्थलाकृति से ढका हुआ है, जिससे आप सब अपरिचित हो सकते हैं और वह चूना पत्थर से बना क्षेत्र है। यह प्राकृतिक मूर्तिकला पार्कों की तरह हैं, जिनमें हज़ारों वर्षों में पानी के प्रभाव के कारण काफी लंबे समय में बनी गुफाएं और भूभाग शामिल हैं। कार्स्ट (चूना पत्थर की स्थलाकृति) वाले क्षेत्र सुंदर और पारिस्थितिकी रूप से महत्वपूर्ण हैं। वे पृथ्वी के अतीत के तापमान और नमी के स्तर का रिकॉर्ड भी बताते हैं। हालांकि, यह पता लगाना काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है कि कार्स्ट असल में कब बने। साइंस एडवांस में आज प्रकाशित हमारे नए अध्ययन में, हम इन रहस्यमय स्थलाकृतियों की प्राचीनता का पता लगाने का एक नया तरीका प्रदर्शित कर रहे हैं, जो हमें हमारे ग्रह के अतीत को और अधिक विस्तार से समझने में मदद करेगा। कार्स्ट को पदार्थ के अपरदन द्वारा परिभाषित किया जाता है। आज हम जो बड़ी–बड़ी चट्टानें और गुफाएं देखते हैं, वे अतीत की वर्षाकालीन अवधि के दौरान पानी में घुलने के बाद बची रह गई हैं। यही कारण है कि उनकी आयु निर्धारित करना कठिन है। आप किसी चीज़ के गायब होने की तिथि कैसे निर्धारित करते हैं।

## ट्रेंड

### मार्शलों की ही बात सुनी

आतिशी जी और सौरभ जी ने आज जो ड्रामा किया ये वो उसी दिन कर सकते थे,जिस दिन मुख्यमंत्री की शपथ हुई और उपराज्यपाल महोदय के साथ चाय पान हो रहा था वो भी एलजी हाउस में ही..!! उपराज्यपाल महोदय, आपने बस मार्शलों की बात सुनी। कोई रास्ता निकल सके तो हम बहुत आभारी रहेंगे।

-मनोज तिवारी, भाजपा सांसद

### महंत की बयानबाजी

गाजियाबाद में डासना देवी मन्दिर के महंत ने इस्लाम मज़हब के खिलाफ फिर से नफरती बयानबाजी की जिससे पूरे इलाके में अशान्ति व तनाव की स्थिति है। पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ तो कार्रवाई की गयी किन्तु मूल दोषी भयमुक्त।

-मायावती, बसपा प्रमुख

### मां को श्रद्धांजलि

आज, हमारी मां हमें छोड़कर मोक्ष यात्रा पर निकल गई। उनकी कमी जीवन में किसी तरह पूरी नहीं की जा सकेगी। उनके बताए रास्ते पर हम चल पाएं, ये ही उस पवित्र आत्मा को श्रद्धांजलि होगी।

- अनिल अग्रवाल, उद्योगपति

### स्मार्ट निष्पादन

व्यवसाय निरंतरता का खेल है! हर दिन मैं अपने दिमाग को अधिक तेज सोचने और बेहतर कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करता हूं। यह सिर्फ कड़ी मेहनत के बारे में नहीं है, यह स्मार्ट निष्पादन के बारे में है।

-डा. विवेक बिंद्रा, मोटिवेशन स्पीकर

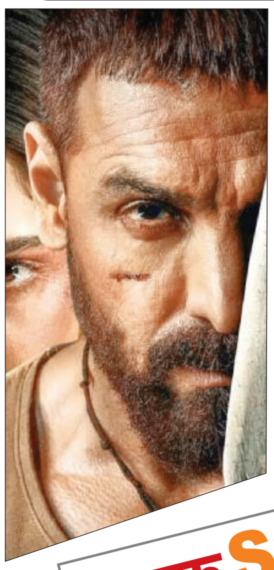

# ओटीटी पर भी होगा अक्षय और जॉन का क्लैश..

**मुंबई।** बॉक्स ऑफिस पर फिल्मों के बीच क्लैश के किस्से तो खूब सुने होंगे। लेकिन अब ओटीटी पर भी मूवीज के बीच भिड़ंत देखने को मिलती है। इस कड़ी में नया नाम सुपरस्टार जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का शामिल हो रहा है, जो अक्षय कुमार की इस फिल्म के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। खास बात ये है कि वेदा एक अलग ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि वेदा ओटीटी पर कब और कहां ऑनलाइन स्ट्रीम होने वाली है। बीते 15 अगस्त सिनेमाघरों में तीन फिल्में रिलीज हुईं थीं, जिनमें स्त्री 2, खेल खेल में और वेदा शामिल थीं। बेशक बॉक्स ऑफिस पर वेदा कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी।

## लाइफ Style

# कैटरीना
## हाथ में दिखा काला पैच

एजेंसी ⏭ मुंबई

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में से हैं। अभिनेत्री पिछले कुछ महीनों से लाइमलाइट से दूरी बनाए हुए हैं, लेकिन इसके बाद भी फैंस की नजरें अक्सर उन्हें ढूंढती रहती हैं। हाल ही में कैटरीना कैफ को मुंबई के कलीना एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां हमेशा की तरह अभिनेत्री खूबसूरत लुक में दिखाई दीं।

कैटरीना अन्य बॉलीवुड स्टार्स के साथ एक नवरात्रि इवेंट में शामिल होने के लिए केरल के लिए रवाना हुईं, इस दौरान उन्होंने डिजाइनर तरुण तहिलियानी की खूबसूरत नारंगी साड़ी पहनी थी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। कैटरीना अपने जबरदस्त लुक्स के लिए वैसे ही सुर्खियों में रहती हैं, लेकिन इस बार उनके चर्चा में होने की अलग वजह है। दरअसल, सोशल मीडिया पर कलीना एयरपोर्ट के बाहर नजर आईं कैटरीना का एक वीडियो सुर्खियों में है, जिसमें उन्हें एयरपोर्ट के एंट्री गेट पर देखा जा सकता है। यूजर्स ने इस वीडियो में अभिनेत्री की बांह में कुछ अजीब स्पॉट किया, जिसे लेकर अब चर्चा हो रही है। दरअसल, अभिनेत्री के हाथ में एक ब्लैक पैच लगा था, जिसे लेकर लोग तरह-तरह के अंदेशे लगा रहे हैं। कई तो एक्ट्रेस की हेल्थ को लेकर भी चिंता जाहिर कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कैटरीना कैफ का वीडियो वायरल हो रहा है, जहां कुछ लोग अभिनेत्री की तारीफ कर रहे हैं, तो वहीं बहुत से लोग वीडियो में विक्की कौशल को टैग करते हुए उनसे पूछ रहे हैं कि आखिर कैटरीना को क्या हुआ है? दरअसल, एक्ट्रेस के हाथ में लगे ब्लैक पैच को कई लोग डायबिटीज को ट्रैक करने वाले पैच से जोड़कर देख रहे हैं।

## हॉलीवुड मसाला

# सबसे हैंडसम मैन का चेहरा आया सामने

**लॉस एंजिलिस।** दुनिया के सबसे हैंडसम व्यक्तियों में एक ऐसे ग्लोबल स्टार का नाम सामने आया है, जो पिछले चार सालों से दुनिया के खूबसूरत मर्दों को पछाड़ खुद नंबर वन पर बना हुआ है। इस ग्लोबल स्टार के आगे जस्टिन बीबर से लेकर बॉलीवुड स्टार्स तक भी फेल हैं। यह स्टार हैं ग्रैमी अवॉर्ड्स नॉमिनेटेड सिंगर-एक्टर बीटीएस वी यानी किम तेह्युंग। 28 साल के किम तेह्युंग दुनिया के सबसे हैंडसम व्यक्ति हैं। हाल ही में, उन्होंने दुनिया के सबसे हैंडसम व्यक्ति का खिताब अपने नाम किया है। 163 देशों में ग्लोबल पॉल में बीटीएस वी ने 7 मिलियन वोट जीतकर यह खिताब हासिल किया है।

# लेडी गागा व जोकर का दिखा जलवा...

**लॉस एंजिलिस।** फेमस अमेरिकन सिंगर लेडी गागा दुनियाभर में अपने गानों के लिए पॉपुलर हैं। इसके अलावा उन्हें अपने फैशन सेंस के लिए भी जाना जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस को जोकरः फोली ए ड्यूक्स के प्रीमियर पर देखा गया। इस दौरान वो अपने को-स्टार जोकिन फीनिक्स के साथ नजर आईं। बता दें कि लेडी गागा जोकर 2 में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में जोकर के किरदार में जोकिन फीनिक्स होंगे जबकि गागा हार्ले के रोल में नजर आएंगी। जोकरः फोली ए ड्यूक्स साल 2019 में आई क्राइम ड्रामा फिल्म जोकर का सीक्वल है जिसका फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जोकिन फीनिक्स ने इस फिल्म में आर्थर फ्लेक का किरदार निभाया था जिसके लिए उनको बेस्ट एक्टर का ऑस्कर अवॉर्ड मिला था।

# पति के कपड़े पहना करती हैं पसंद

**मुंबई।** अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली चर्चित कपल में से एक हैं। दोनों एक दूसरे के पास आ रहे हैं। अपने पति विराट कोहली को लेकर अनुष्का शर्मा ने कहा कि वह अपने पति के कपड़े पहनती हैं और वह ऐसा करके काफी अच्छा महसूस करती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अनुष्का शर्मा ने बताया, 'मैं सच में विराट के कपड़े उधार लेती हूं, ज्यादातर टी-शर्ट। कभी-कभी मैं सिर्फ उनकी जैकेट ले लेती हूं। कभी-कभी मैं ऐसा सिर्फ इसलिए करती हूं क्योंकि जब मैं उनके कपड़े पहनती हूं तो उन्हें भी बहुत खुशी होती है'। अनुष्का ने कहा, 'इस परफेक्ट पैरेंट की तरह बनने का बहुत दबाव होता है। हम परफेक्ट पेरेंट्स नहीं हैं। हम चीजों के बारे में शिकायत करेंगे और उन्हें यह स्वीकार करना भी ठीक है इसलिए उन्हें पता है कि आप में खामियां हैं।

# 63 साल में भी फैंस की बढ़ाई धड़कनें...

**मुंबई।** बॉलीवुड एक्टर सुनील शेट्टी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में लंबा वक्त गुजारा है। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों में काम किया है। अब वो उम्र के एक पड़ाव पर हैं, लेकिन फैंस का कहना है कि वो वक्त के साथ जवान होते जा रहे हैं। उनका नया वीडियो भी कुछ यही गवाही दे रहा है। सुनील शेट्टी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वो नए हेयर कट और हेटर स्टाइल में नजर आ रहे हैं। अपने लुक से उन्होंने सबका दिल चुरा लिया है। इस वीडियो पर फैंस के खूब कॉमेंट्स आ रहे हैं। हर कोई यही कह रहा है कि 'अन्ना' की उम्र वक्त के साथ बढ़ने की बजाय घटती जा रही है। एक ने लिखा, 'इस उम्र में भी हैंडसम।' दूसरे ने मजाकिया अंदाज में कॉमेंट किया, 'अंजलि से मिलने जाना है शायद'।

## टीवी मसाला

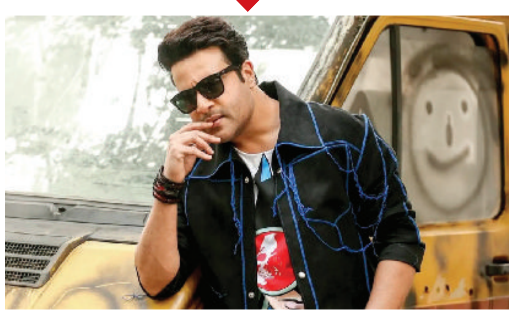

# राजा बाबू बनकर कृष्णा ने की गोविंदा की मिमिक्री

**मुंबई।** कृष्णा अभिषेक को आपने कई बार अपने मामा गोविंदा के स्टाइल का डांस करते देखा होगा या उनके बारे में जिक्र करते हुए देखा होगा। लेकिन अब द ग्रेट इंडियन कपिल शो में वह मामा गोविंदा की मिमिक्री करते दिखेंगे। अब शो के अपकमिंग एपिसोड का वीडियो सामने आ गया है जिसमें दिखा कि कपूर सिस्टर्स यानी कि करिश्मा कपूर और करीना कपूर नजर आईं। कृष्णा इस दौरान गोविंदा के अवतार में नजर आते हैं। दरअसल, गोविंदा और करिश्मा साथ में कई फिल्म में काम कर चुके हैं। कृष्णा, गोविंदा के राजा बाबू के लुक में आते हैं और करिश्मा के साथ डांस करते हैं। हालांकि इस दौरान कपिल उन्हें चेतावनी भी देते हैं कि इस दौरान गोविंदा को किसी बात का बुरा ना लगे। वह कहते हैं कि ध्यान से, ओरिजनल वाले ना देख लें। इस पर कृष्णा कहते हैं कि गाली खाऊंगा घर पर आज। बता दें कि हाल ही में गोविंदा को गोली लगी थी। उनसे खुद गलती से अपने पैर पर गोली चल गई थी जिसके बाद वह अस्पताल में भी भर्ती रहे थे। इस दौरान कश्मीरा उनसे मिलने भी गई थीं अस्पताल में। लेकिन कृष्णा क्योंकि काम से बाहर थे तो वह नहीं गए। अब गोविंदा घर पर हैं और आराम कर रहे हैं।

## दुकान पर आए सेलिब्रिटी को देख चढ़ा जेठालाल का पारा

**मुंबई।** तारक मेहता का उल्टा चश्मा में अब तक आपने देखा कि बाघा के पास एक मैसेज आता है। मैसेज में लिखा होता है कि जेठालाल की दुकान पर एक बड़ा सेलिब्रिटी आने वाला है। उस सेलिब्रिटी के स्वागत की तैयारियां करके रखना। बाघा ये मैसेज जेठालाल को बताता है। जेठालाल बाघा से कि उनके स्वागत की सारी तैयारियां करके रखने को कहता है। हालांकि, आज जब जेठालाल को पता चलेगा कि उसकी दुकान पर कौन सा सेलिब्रिटी आया है, उसे देखकर जेठालाल का पारा चढ़ जाएगा। सेलिब्रिटी आंखों से चश्मा और चेहरे से मास्क हटाएगी। मास्क हटते ही जेठालाल को झटका लगेगा। जेठालाल की दुकान पर आनेवाली सेलिब्रिटी कोई और नहीं बल्कि बावरी होगी। उसे देखकर जेठालाल का पारा चढ़ जाएगा। वो बाघा से कहेगा कि इससे पूछ ये क्या नौटंकी है।

# *निया ने प्रीमियर से पहले दिया झटका*

***मुंबई।*** *विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 18 का पिछले काफी समय से बज बना हुआ है। शो में टीवी की एक क्वीन के आने की चर्चा थी, जिसने उनके फैंस को एक्साइटेड कर दिया था। हालांकि, अब उन्होंने खुद आने से इनकार कर दिया है। हम बात कर रहे हैं टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा की। निया शर्मा को लेकर चर्चा थी कि वह बिग बॉस 18 का हिस्सा बनने जा रही हैं। जब से यह न्यूज सामने आई है, उनके चाहने वालों की खुशी का ठिकाना नहीं था। यही नहीं, खतरों के खिलाड़ी 14 के ग्रैंड फिनाले में रोहित शेट्टी ने भी हिंट दिया था कि निया बिग बॉस में जा रही हैं। मगर ग्रैंड प्रीमियर से पहले निया ने सबकुछ साफ कर दिया है। निया शर्मा बिग बॉस 18 का हिस्सा नहीं बनने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर करते हुए शो में शामिल न होने की जानकारी दी है और फैंस को सॉरी बोला है। एक्ट्रेस ने स्टोरी में सॉरी लिखते हुए कहा, फैंस और शुभचिंतको के लिए जिन्हें मैंने निराश किया है। सॉरी।*

## सल्लू की फीस 250 करोड़ रुपए

**मुंबई।** बॉलीवुड फिल्मों के लिए एक वक्त था जब 100 करोड़ की कमाई एक बेंचमार्क माना जाता था। वक्त बीता और आज किसी ठीक-ठाक फिल्म की लागत ही 100 करोड़ रुपए होती है। फिर सुपरस्टार्स ने फिल्मों के लिए 100 करोड़ रुपए फीस चार्ज करना शुरू कर दिया और आज के वक्त में टीवी शोज में इतना पैसा कुछ ही एपिसोड में खर्च कर दिया जाता है। सलमान खान को बिग बॉस का यह सीजन होस्ट करने के लिए सिर्फ 6 हफ्तों में इतनी फीस का भुगतान किया जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक सलमान खान एक महीने के लिए 60 करोड़ रुपये फीस चार्ज कर रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी में सलमान का ना होगा यह साबित कर गया है कि उनके होने से शो की टीआरपी में चार चांद लग जाते हैं। सूत्रों के मुताबिक अगर यह सीजन 15 हफ्ते भी चलता है तो मेकर्स को इसके लिए सलमान खान को तकरीबन 250 करोड़ रुपए फीस चुकानी होगी।

# जरा भी नहीं संभाल पाईं भारी-भरकम लहंगा

**मुंबई।** श्रद्धा कपूर ने नई दिल्ली में रैंप वॉक किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके कई वीडियोज और फोटोज सामने आईं। हालांकि, फैंस ने देखा कि भले ही वह खूबसूरत लग रही थीं, लेकिन वह रैंप पर ठीक से नहीं चल पा रही थीं। इस दौरान श्रद्धा ने बीडवर्क और कढ़ाई वाला क्रीम कलर का लहंगा पहना था। एक पपाराजी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें श्रद्धा रैंप वॉक कर रही हैं, फिर वो मुस्कुराती हैं और अलग-अलग पोज देती हैं लेकिन जिस बाक पर लोगों ने ध्यान दिया वो कुछ और ही थी। श्रद्धा कपूर वॉक करते वक्त लड़खड़ा रही थीं और साफ दिख रहा है कि उन्हें चलने में दिक्कत हो रही है। इस पर रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने कहा- वह हमेशा की तरह शानदार लग रही हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें उस लहंगे में चलने में दिक्कत हो रही है। एक ने लिखा- उस ड्रेस में या शायद उनके जूते में कुछ अजीब है। वो चल नहीं पा रहीं। एक फैन ने कहा- जिस तरह से उन्होंने 20 किलो का लहंगा संभाला है, वो कमाल है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने कहा- वह आराम से चल नहीं पा रहीं, उनके चेहरे के हाव-भाव सब कुछ बयां कर रहे हैं।

## सुशांत की मौत की खबर ने मनोरंजन जगत को झकझोर कर रख दिया

# मौत के बाद भी चर्चा में ये स्टार्स, नहीं भूल पा रहे हैं लोग

***मुंबई।*** *सेलेब्रिटीज की पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ हमेशा लोगों के बीच सुर्खियों में रहती है। वहीं कुछ स्टार्स ऐसे भी हैं जो इस दुनिया को अलविदा कह चुके हैं, लेकिन उनकी मौत के बाद भी वह किसी न किसी वजह से चर्चा में बने हुए हैं। बॉलीवुड के कई सेलेब्स निधन के बाद भी अभी इसलिए खबरों में बने हुए हैं क्योंकि उनकी मौत की वजह आज तक रहस्य बनी हुई है तो वहीं कुछ की मौत के बाद भी फिल्में रिलीज हो रही हैं। कई सेलेब्स की असामयिक मौत हो गई है, जिससे लोग सदमे में हैं। आज तक हर कोई यह जानने का इंतजार कर रहा है कि आखिर उनके साथ क्या हुआ था। आज हम उन मशहूर सेलेब्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो मौत के बाद भी चर्चा लोगों के दिलों में जगह बनाए हुए हैं।*

**श्रीदेवी :** अपने समय की बेहतरीन बॉलीवुड अभिनेत्रियों में से एक थीं। इस दिग्गज अभिनेत्री की अचानक हुई मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया। उन्हें दुबई के आलीशान होटल में पानी से भरे बाथटब में मृत पाया गया था। जबकि मामला दिल का दौरा पड़ने का बताया गया था, लेकिन वह काफी समय से किसी और वजह से भी चर्चा में हैं। जी हां, श्रीदेवी के गुजरने के बाद उनकी आखिरी फिल्म 'जीरो' रिलीज हुई थी। वहीं बोनी कपूर अपनी पत्नी श्रीदेवी के जीवन पर डॉक्यूमेंट्री बनाने का ऐलान कर चुके हैं, जिसकी वजह से वह चर्चा में रहती हैं।

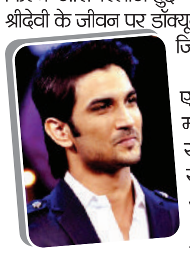

**सुशांत सिंह राजपूत :** इस एक्टर की मौत की खबर ने पूरे मनोरंजन जगत को झकझोर कर रख दिया। 34 वर्षीय सुशांत सिंह राजपूत अपने मुंबई अपार्टमेंट में आत्महत्या करने के कारण खबरों में छाए रहे। बाद में, बहुत से लोगों ने सुशांत की मौत को लेकर कई तरह के खुलासे किए और मामला बंद होने के बाद वह आज तक अपनी रहस्यमय मौत की वजह से चर्चा में हैं।

**सिद्धार्थ शुक्ला :** 'बिग बॉस 13' और 'खतरों के खिलाड़ी 7' के विनर रह चुके सिद्धार्थ शुक्ला के फैंस आज भी इस बात पर यकीन नहीं कर पा रहे हैं कि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं। सिद्धार्थ आए दिन अपनी दोस्त शहनाज गिल के कारण चर्चा में रहते हैं। सिद्धार्थ शुक्ला की 40 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक की वजह से गुरुवार को निधन हो गया।

**जिया खान :** 25 वर्षीय अभिनेत्री जिया खान 3 जून 2013 को अपने जुहू अपार्टमेंट में छत से लटकी हुई पाई गई थीं। ऐसी अफवाहें थीं कि उनके प्रेमी और अभिनेता सोराज पंचोली ने उनकी हत्या कर दी थी, लेकिन कुछ भी पता नहीं चला और मामले को बंद कर दिया गया और एक्ट्रेस की मौत को आत्महत्या का नाम दे दिया गया, जिसकी वजह से वह आज भी चर्चा में हैं।

**दिव्या भारती :** अभिनेत्री दिव्या भारती ने वेरोस्वा में अपने अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। हालांकि, कई लोगों ने उनकी मौत को उनके पति द्वारा की गई हत्या बताया, लेकिन मामला आगे नहीं बढ़ा और उनकी रहस्यमय मौत चर्चा का विषय बनी हुई है।

**ओम पुरी :** 6 जनवरी, 2017 को ओम पुरी की हार्टअटैक से मौत हो गई थी, जिसके बाद उनकी फिल्म 'ट्यूबलाइट' रिलीज हुई थी। लोग आज भी उन्हें भूल नहीं पाए हैं। ये 25 जून, 2017 को रिलीज हुई थी।

**इरफान खान :** बॉलीवुड का वो दिग्गज अभिनेता आज भी अपनी फिल्मों और किरदार के लिए लोगों के बीच चर्चा में हैं। इरफान का 29 अप्रैल, 2020 को निधन हो गया था। उनकी मौत के बाद उनकी फिल्म रिलीज हुई थी। वहीं इन दिनों वह अपने बेटी की वजह से खूब चर्चा में हैं क्योंकि वह हर इवेंट में अपने पिता के बारे में बात करते नजर आते हैं।

# महुली पहाड़पारा टू व साकेत पारा में महीने से खराब है सोलर प्लांट लाइट अंधेरे में रहने मजबूर मोहल्ला वासी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिहारपुर- विकास खंड ओड़गी के दूरस्थ वनांचल ग्राम पंचायत महुली पहाड़पारा वन ,पहाड़पारा टू हरिजनपारा, चौरापारा, खासपारा न्यू, खासपारा टू एवं स्कूलपारा में क्रेडा विभाग द्वारा विद्युत व्यवस्था हेतु सोलर पावर प्लांट स्थापित किया गया था जो पिछले कई महीने पूर्व ही बैटरी बैंक व इनवाईटर खराब हो जाने के कारण प्लांट बंद पड़ा हुआ है जिससे वन अंचल क्षेत्र अंधेरे में जीवन व्यतीत करने मजबूर हैं। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत महुली के पहाडपारा टू एवं हरिजनपारा में लगभग 50-60 घरों में कई महीने से अंधेरा छाया हुआ है। ग्रामीण लालटेन युग मैं जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। छत्तीसगढ़ शासन की प्रमुख योजना सौभाग्य योजना के अंतर्गत हर घर में बिजली पहुंचाना है लेकिन एक ऐसी ग्राम पंचायत है जहां लाइट ना होने के कारण जंगली जानवरों, बच्चों की पढ़ाई एवं स्वास्थ्य व्यवस्था सभी कुछ प्रभावित हो रहे हैं। यहां आए दिन जंगली हाथियों का आना जाना लगा रहता है। जहां ग्रामीणों एवं बच्चों को हाथियों से अंधेरे में कुछ अनहोनी ना हो जाए डर बना रहता है। इस संबंध में सुधार हेतु पूर्व में सरपंच एवं ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं क्रेडा विभाग के जिला अधिकारी को मौखिक में सूचना दे चुके हैं लेकिन आज दिनांक तक किसी भी प्रकार की सुधार हेतु कोई भी कार्यवाही नहीं की गई है। सूरजपुर जिला मुख्यालय से दूरस्थ क्षेत्र ग्राम पंचायत महुली 110 किलोमीटर दूर है।

# ओड़गी के महुली गाँव में छाया अंधेरा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

महुली गांवों में विद्युत लाइट नहीं है। खानापूर्ति के लिए सोलर पावर प्लांट लगाकर विद्युत व्यवस्था की गई है लेकिन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा देखरेख एवं रखरखाव कार्य न करने की वजह से सोलर व्यवस्था ठप पड़ी हुई है। ग्रामीणों ने तत्काल जिला प्रशासन से सोलर प्लांट को सुधार कराने की मांग की है। इस संबंध में जिला क्रेंड़ा अधिकारी रंजीत यादव से बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि बैटरी की ऑर्डर हो गई है जल्द ही बैटरी लगा दी जाएगी इनवर्टर अभी उपलब्ध नहीं है इनवर्टर के लिए हमने प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है

## चुनरी यात्रा में शामिल हुए मंत्री देवांगन, पंडालों में टेका मत्था

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन नवरात्र के अवसर पर कोरबा के विभिन्न दुर्गा पंडालों, मंदिर और डांडिया उत्सव में सम्मिलित होकर मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर क्षेत्र वासियों की खुशहाली और उन्नति की कामना की। सीएसईबी विद्युत गृह विद्यालय के समीप स्थित शिव मंदिर माता की चुनरी की पूजा अर्चना की। धर्म जागरण मातृ शक्ति द्वारा आयोजित यात्रा में अधिक संख्या में महिलाएं और पदाधिकारियों के साथ मंत्री देवांगन भी चुनरी यात्रा में शामिल हुए। यहां से मंत्री देवांगन सीएसईबी कॉलोनी स्थित गायत्री मंदिर में आयोजित पावन प्रज्ञा पुराण में सम्मिलित हुए।

# शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना से खुश हैं मनोज

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । शहीद वीर नारायण सिंह श्रम योजना लगभग 94,000 मजदूरों को मासिक आधार पर पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराती है, तथा प्रवासी आबादी के बीच भूख और गरीबी की समस्या का समाधान करती है। मनोज की लचीलापन, आशा और सशक्तिकरण की भावनाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना ने कई प्रवासी श्रमिकों के लिए भूख के चक्र को तोड़ने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मनोज के लिए, इसने उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा के लिए अधिक बचत करने में मदद की है और उन्हें खुशहाल विवाहित जीवन जीने की इच्छा को फिर से जगाया है। जब मनोज को शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के तहत 5 रुपए की सब्सिडी वाले भोजन के बारे में पता चला तो उन्होंने राहत की सांस ली। मनोज खुटे की आँखों में दूर की ओर देखने वाला चिंतनशील भाव है। वह ध्यान से अपनी प्लेट में खाना भरता है और खाने के लिए बैठ जाता है, उसे याद है कि पहले उसका परिवार खेती-किसानी करता था और सभी घर पर ही खाना खाते थे। धीरे-धीरे, घटते भूजल स्तर, अचानक जलवायु परिवर्तन और बढ़ती ऊर्जा लागत ने अनुसूचित जाति समुदाय के एक छोटे से भूस्वामी मनोज को खेती से बाहर कर दिया। जैसे-जैसे मनोज के बच्चे बड़े होते गए, उन्हें एहसास हुआ कि उनके पास अपनी दो बेटियों की शिक्षा और बाद में उनकी शादी की योजना बनाने के लिए पर्याप्त बचत नहीं है। उनके सामने एकमात्र समाधान रायपुर, जो कि पास का बड़ा शहर है, में जाकर और एक अच्छी नौकरी ढूँढना था। मनोज ने एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम किया और अपने कृषि उपकरणों के बदले एक वर्दी और सीटी खरीदी। आजीविका के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में तेजी से हो रहा पलायन आज दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय बदलावों में से एक है। दुनिया भर में ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आजीविका के लिए पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

# हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा पर जताया विश्वास : किरण देव

**छत्तीसगढ़ भाजपा ने मनाया हरियाणा की जीत का जश्न**

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत और लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी पर राजधानी में भाजपा नेताओं ने जबर्दस्त जश्न मनाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर और एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने पटाखे फोड़कर, ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य और जयघोष करके विजय जुलूस निकाला। भाजपा नेताओं ने जम्मू-कश्मीर में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन को भाजपा के प्रति बढ़ते जन विश्वास का परिचायक बताया।

### हरियाणा की जनता ने तीसरी बार भाजपा पर जताया विश्वास : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने हरियाणा के चुनाव नतीजों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा की जनता-जनार्दन ने भाजपा के प्रति अपना अगाध विश्वास व्यक्त किया है। एक्जिट पोल को लेकर अति उत्साही कांग्रेसियों को हरियाणा के एक्जेक्ट पोल ने आईना दिखा दिया है। इन नतीजों के जरिए हरियाणा ने कांग्रेस के संविधान और आरक्षण को लेकर दोहरे राजनीतिक चरित्र पर सीधी चोट की है। देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास के नित-नए आयाम गढ़ रहा है, विश्व-पटल पर अपनी प्रखर भूमिका का निर्वहन करते हुए 2047 तक विकसित भारत के संकल्प की पूर्ति की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हरियाणा के ये चुनाव नतीजे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। देव ने कहा कि कांग्रेस जाति और धर्म के आधार पर जिस विभाजनकारी टूलकिटिया एजेंडे पर काम कर रही है, हरियाणा ने भी उसे पूरी तरह खारिज कर दिया है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत को गांव-गरीब-किसान-मजदूर और युवाओं की जीत निरूपित करते हुए देव ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तरह ही हरियाणा की जनता ने भी आज कांग्रेस रूपी अभिशाप से मुक्त रखकर विकास का मार्ग चुन लिया है।

### हरियाणा की जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास किया : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने हरियाणा की जनता के हम आभारी हैं कि उसने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी पर विश्वास किया, जिसकी वजह से हरियाणा में कुशासन, अन्याय, अत्याचार, आतंक और भ्रष्टाचार के कांग्रेसी मंसूबे धराशायी हुए हैं।

# युवाओं की प्रगति को केंद्रित है इनोवेशन और ऑपर्च्युनिटी से भरा आज का भारत - डॉ. राजेश्वर सिंह

**दुनिया के शीर्ष 1000 विश्वविद्यालयों में 23 भारत से होना शिक्षा की बढ़ती गुणवत्ता का प्रतीक – डॉ. राजेश्वर सिंह**

**तेजी से हुए 5जी विस्तार ने ग्रामीण भारत को आगे बढ़ाने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका – डॉ. राजेश्वर सिंह**

**डॉ. राजेश्वर सिंह ने ट्वीट कर युवाओं को किया मोटिवेट, कहा विश्वस्तरीय शिक्षा और संचार क्रांति ने आसान की उज्ज्वल भविष्य की राह**

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सरोजनीनगर लखनऊ। युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार के क्षेत्र में प्रेरित, प्रोत्साहित करने के सतत क्रम में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सोमवार को ट्वीट कर लिखा, आज के युवा नवप्रवर्तन और अवसरों से भरे भारत में अपना भविष्य संवारने के लिए अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने शिक्षा के क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए लिखा वर्ष 2023 तक भारत में 1,100 से अधिक विश्वविद्यालय और 50,000 कॉलेज हैं। नई शिक्षा नीति (एनईपी) ने व्यावसायिक कौशल पर जोर देकर सीखने के तरीकों को बदला है। विधायक ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 का हवाला देते हुए लिखा शीर्ष 1,000 में भारत के 23 विश्वविद्यालय हैं, जो शिक्षा की बढ़ती गुणवत्ता को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स 2023 में भारत 37वें स्थान पर है, जो अनुसंधान और विकास पर इसके बढ़ते फोकस को दशार्ता है। कौशल भारत क्रांति का उल्लेख कर सरोजनीनगर विधायक ने लिखा कौशल भारत मिशन के तहत, 5 करोड़ से अधिक युवाओं को नौकरी के लिए तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। आज युवा सरकार समर्थित कार्यक्रमों के माध्यम से डिजिटल मार्केटिंग, एआई, ब्लॉकचेन और कोडिंग सीख सकते हैं, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट 2023 में भारत 66वें स्थान पर है, जो अपने आर्थिक परिदृश्य में कुशल श्रम के महत्व को परिभाषित करता है। डॉ. सिंह ने भारत में शिक्षा के बदलते परिदृश्य का उल्लेख कर लिखा विश्व स्तरीय शिक्षा आपके द्वार पर है, 200 से अधिक विदेशी विश्वविद्यालय अब भारतीय संस्थानों के साथ सहयोग कर रहे हैं, जिससे युवाओं को बिना देश छोड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिल रही है। 2023 टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग में, कई भारतीय संस्थानों ने शिक्षण और अनुसंधान के लिए उच्च अंक हासिल किए, जिससे उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी।

## अवैध कब्जा दारों के चुंगल से मुक्त कराई गई देवस्थान की जमीन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ। जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार के निर्देशन में अवैध कब्जादारों के खिलाफ चलाया गया अभियान रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत ससपन क्षेत्र में अवैध कब्जे दरों के चुंगल से मुक्त करायी गई सरकारी जमीन पुलिस फोर्स व राजस्व टीम के साथ की मदद से देवस्थान व अन्य भूमि पर बने अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से कब्जा मुक्त कराया गया उक्त भूमि को तहसीलदार विकास सिंह व क्षेत्रीय लेखपाल लल्लू प्रजापति रहिमाबाद पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निर्माण में बनी मजार को ध्वस्त करा कर दिया गया इस भूमि का बाजार मूल्य लाखों रुपए का होगा। लखनऊ जिलाधिकारी द्वारा चलाए गए अभियान में तहसील क्षेत्र के इलाकों में जब तक पूरी तरह सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा रहेगा तब तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा ।


## न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.)

## उदघोषणा

क्रमांक 04/रीडर-1/2024 पत्थलगांव
दिनांक 01.10.2024

एतद द्वारा समस्त आम जनता ग्राम कुड़केलखजरी, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है, कि आवेदिकागण रीना मिंज,रोहणी मिंज आ0 स्व0 जुगसाय मिंज, निवासी ग्राम कुड़केलखजरी , तहसील पत्थलगांव , जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा उनके पिता श्री जुगसाय मिंज जो कि कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी कृषि मनोरा में विस्तार अधिकारी के पद पर पदस्थ थे जिनका दिनांक 02.07.2016 को मृत्यु हो गया है। उनके पिता के शासकीय सेवा में आने पर सेवा पुस्तिका में आवेदिकागण का नाम दर्ज नहीं हो पाया है। अपने स्वर्गीय पिता श्री जुगसाय मिंज के विधिक वारिस होने से वारिसन प्रमाण पत्र प्रदाय हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर को आवेदन प्रस्तुत किया गया है जो जांच एवं प्रतिवेदन हेतु इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है।उक्त मामले की सुनवाई दिनांक 30.10.2024. के स्थान अनुविभागीय अधिकरी (रा.) पत्थलगांव के न्यायालय में समय प्रातः 10.00 बजे से सांय 5.00 बजे तक होना नियत किया गया है। अतः इसमें जिस किसी भी व्यक्ति को दावा /आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत तिथि /स्थान/समय पर न्यायालय में मेरे समक्ष उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि /समय के पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 01.10.2024 को उदघोषणा मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
पत्थलगांव, जशपुर (छ.ग.)


# सैकड़ो लोगों ने रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे के समक्ष रालोद की सदस्यता ग्रहण की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनऊ ।विभिन्न राजनैतिक दलों के सैकड़ों अधिवक्ताओं ने आज हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रामनरेश शुक्ला की अगुवाई में सपा बसपा व कॉग्रेस छोड कर राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एल जयन्त चैधरी के नेतृत्व और स्व0 भारत रत्न चौधरी चरण सिंह एवं स्व0 चौधरी अजित सिंह की नीतियों एवं विचारधारा में पूर्ण आस्था व्यक्त करते हुये राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की।

उपरोक्त सभी नेताओं को राष्ट्रीय लोकदल मुख्यालय पर आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व विधायक शिव करन सिंह की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण कराई। रामनरेश शुक्ल के नेतृत्व में सदस्यता ग्रहण करने वालों में सदस्यता लेने वालों में एस. के. त्रिपाठी, .के के तिवारी. पी के मिश्रा, सी पी निगम,. ए के अवस्थी. अमित शर्मा, विष्णु नारायण. चंद्रकांत मिश्रा,. नरविन्द यादव, मनोज दीक्षित. के एस वाजपेयी, अंजू यादव. स्वाती शुक्ला. स्मिता शुक्ला, प्रियंका शुक्ला. समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव सुहैल सिद्दीकी सहित लगभग दो सौ अधिवक्ताओं ने राष्ट्रीय लोक दल की नीतियों की सराहना करते हुए सदस्यता ग्रहण की।

सदस्यता ग्रहण समारोह में प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, प्रदेश महासचिव रजनीकांत मिश्रा एवं अम्बुज पटेल, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल उपस्थित थे। प्रदेश महासचिव रमावती तिवारी, चंद्रकांत अवस्थी, के जी वर्मा, प्रदेश प्रवक्ता आमिर साबिरी, प्रदेश सचिव अफसर अली, प्रमोद शुक्ला, अशोक तिवारी, शहजाद आदि पदाधिकारियों ने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी अधिवक्ताओं का माला पहनाकर स्वागत किया। राष्ट्रीय महासचिव शिव करन सिंह ने सभी सदस्यता लेने वालों का स्वागत करते हुए कहा कि आप लोगों के रालोद में आने से पार्टी मजबूत होगी और आप सभी लोगों को रालोद में उचित सम्मान मिलेगा। राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने श्री शुक्ला व उनके साथियों को सदस्यता ग्रहण कराते हुये कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चैधरी का कारवां पूर्वांचल, मध्य उत्तर प्रदेश और बुन्देलखण्ड में तेजी से बढ रहा है वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश में स्व0 चौधरी चरण सिंह के समय का गौरव फिर से लौटेगा। उन्होंने कहा कि श्री शुक्ला और उनके साथियों के आने से लखनऊ बाराबंकी, हरदोई में पार्टी को बहुत मजबूती मिलेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता राम नरेश शुक्ला ने कहा कि मै भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की नीतियाँ सर्व समाज एवं जनहित के लिए होती हैं। आज उसी मिशन को रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जयंत चैधरी भी आगे बढ़ा रहे हैं। दल की साफ सुथरी छवि एवं नीतियों से मै बहुत प्रभावित होकर आज रालोद की सदस्यता ले रहा हूँ। समारोह का संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने किया।

# श्री बंशी बाबा मंदिर प्रांगण से निकाली गई शोभायात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज लखनऊ, नगर पंचायत मऊ में शोभा यात्रा के साथ रामलीला का मंचन शुरू होगा अनेकों जगह शोभा यात्रा में सजी झाकियों का व्यापारियों ने रोककर स्वागत कर सभी को जलपान कराया मोहनलालगंज मऊ बाजार में स्थित श्री बंसी बाबा रामलीला एवम दशहरा मेला मंदिर प्रांगण मऊ में होती आ रही रामलीला का मंचन शोभा यात्रा के साथ सोमवार से शुरू हो गया इस शोभा यात्रा में शिव पार्वती श्री गणेश श्री सीताराम लक्ष्मण हनुमान महाकाली बाबा भैरवनाथ सहित अनेक प्रकार की झांकियो को सजाया गया था जो बहुत ही सुंदर दिखाई दे रही थी साथ ही श्री बंसीबाबा की मूर्ति को सुसज्जित कर मऊ से मोहनलालगंज तक शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें पुलिस प्रशासन साथ में मुस्तैद था मऊ में वर्षो से होती आ रही रामलीला शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होती रही है मऊ निकट सिनेमा हॉल मैदान में शनिवार बारह अक्टूबर को रावण का वध किया जाएगा शोभा यात्रा में सभी क्षेत्रवासी ढोल नगाड़े के साथ झूमते जा रहे थे मोहनलालगंज कस्बे में पहुंचते ही मोहन वस्त्रालय के संचालक चंद्र मोहन वैश्य दिनेश चंद्र वैश्य रमेश चंद्र वैश्य निपुण वैश्य आदि ने शोभा यात्रा के साथ चल रहे सभी श्रद्धालुओं को जलपान ग्रहण कराया इसके बाद सावन भईया सोनी ने समस्त श्रद्धालुओं को रोककर जलपान कराया शोभा यात्रा राम बारात में प्रभारी निरीक्षक आलोक राव कस्बा प्रभारी वीर बहादुर दुबे श्री बंशी बाबा रामलीला समिति कार्यवाहक अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा उर्फ बाराती उपाध्यक्ष अरूणेश प्रताप सिंह उर्फ दल्लू उपप्रबंधक इंद्र बहादुर सिंह पूर्व प्रधान प्रदीप गुप्ता चैयरमेन प्रतिनिधि व व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय पाण्डेय उर्फ सत्यम आशीष द्विवेदी मोहनलालगंज दीपू सिंह अतरौली पूर्व जिला पंचायत सदस्य अरविंद कुमार गौतम उर्फ सुनील श्रवण कुमार रचित विपिन यादव महेश लोधी सहित काफी संख्या में श्रद्धालु शोभा यात्रा में शामिल थे मोहनलालगंज से मौरावां रोड होते हुए शोभा यात्रा भ्रमण करते हुए श्री बंसी बाबा मंदिर प्रांगण पहुंची इसी स्थान पर रामलीला का मंचन शुरू होगा जो कि शनिवार विजया दशमी को रावण दहन के उपरांत श्री राम दरबार के साथ सुंदर नाटक का मंचन किया जाएगा

## अग्निवीर भर्ती हेतु कार्यशाला का किया गया आयोजन

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** कलेक्टर रोहित व्यास के दिशानिर्देशों में जिले के अलग-अलग विकासखंड में शासकीय हाईस्कूल एवं महाविद्यालय में भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यशाला में बिलासपुर से आये पैरा कमांडो स्पेशल ट्रेनर पुरुषोत्तम चंद्र के द्वारा अग्निवीर थल सेना भर्ती के संबंध में विस्तृत जानकारी छात्र छात्राओं को दी गई। सेना भर्ती से होने वाले लाभों के बारे में अधिक से अधिक संख्या में छात्र छात्राओं को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। शारीरिक मापदंड और योग्यता की जानकारी दी साथ ही उनके द्वारा भारतीय सेना से जुड़कर प्रदेश, देश एवं संपूर्ण राष्ट्र में ख्याति प्राप्त कर विशिष्ट नागरिक की उपाधि मिलने संबंधी महत्व को समझाया।

इस दौरान स्कूल के प्राचार्य एवं प्राध्यापक व कर्मचारी सहित छात्र एवं छात्राएं उपस्थित थे।

# शहनाज के हृदयस्पर्शी भजनों को सुनने उमड़ा जनसैलाब

**0 शानदार भजनो की प्रस्तुति के बीच जमकर झूमें लोग 0 डीपीएस के स्वर्ण महोत्सव का पांचवां दिन**

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति के द्वारा 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर मनाए जा रहे स्वर्ण महोत्सव के पांचवे दिन शारदीय नवरात्र की पंचमी को सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर के हृदयस्पर्शी भजनो की शानदार प्रस्तुति ने श्रधालुओ के जनसैलाब को मंत्रमुग्ध कर झूमने को मजबूर कर दिया।

भैयाथान रोड की दुर्गा पूजा समिति के द्वारा मनाए जा रहे स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर शहर के हृदय स्थल पुराना बस स्टैंड परिसर चौपाटी मैदान में भगवती जागरण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमे मशहूर भजन गायिका शहनाज अख्तर को आमंत्रित किया गया था। शहनाज अख्तर के प्रथम बार यहां आगमन व भजनो की प्रस्तुति को लेकर खासा उत्साह था और उनके भजनो को सुनने के लिए शहर सहित समूचे जिले भर से लोगो की भीड़ कार्यक्रम के दो घण्टे पूर्व से ही आयोजन स्थल पर एकत्र होने लगी थी और यह भीड़ कार्यक्रम प्रारम्भ होने से पूर्व सैलाब का रूप ले लिया था। आयोजन के दौरान बतौर अतिथि महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी, समिति के संरक्षक भीमसेन अग्रवाल, अध्यक्ष ईश्वर चन्द गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल व रामावतार अग्रवाल मौजूद रहे। शक्तिपीठ के रूप में माने जाने वाले दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा की संगीतमयी रात्रि आरती के ठीक बाद सबसे पहले गायिका शहनाज अख्तर माँ दुर्गा के पंडाल पहुंची जहां माता के दर्शन उपरांत आयोजन समिति के द्वारा प्रसाद स्वरूप उन्हें मां की चुनरी भेंट किया गया। ततपश्चात शहनाज अख्तर कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां शहनाज पर जोरदार पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया और फिर शहनाज के द्वारा भजनो की अमृत वर्षा प्रारम्भ हुई। प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के भजनो के साथ शहनाज ने भजनो की यात्रा प्रारंभ की और दुल्हनियां रे दुल्हनियां रे नौ दिन बनी माई दुल्हनियां रे, झूम झूम के झूम झूम के, तकदीर मुझे ले चल महाकाल की बस्ती में, सिंगार माई कर रहीं सोला रे, कर दो कर दो बेड़ा पार मेरे उज्जैन के महाकाल, के साथ भाव भक्ति में सनातन धर्म से परिपूर्ण ओतप्रोत भक्तिमई देवी गीत, जस गीत, छत्तीसगढ़ी भजन के साथ-साथ भोलेनाथ, हनुमान जी, श्री राम जी, राधे कृष्णा और श्याम भजनों सहित एक से बढ़ कर एक भजनो की प्रस्तुति देकर अपने साथ मौजूद ज़न सैलाब को झूमने नाचने पर विवश कर दिया। मौजूद लोग भी भजनो की अमृत वर्षा के रंग में रंगे जमकर नाचे। कार्यक्रम के बीच मंचासीन अतिथियों का माता की चुनरी, मोती की माला व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत सम्मान किया गया। इसके बाद सभी अतिथियों द्वारा क्रमशः इस ऐतिहासिक आयोजन के संबंध में अपने अपने उद्बोधन में नवरात्रि की बधाई देते हुए आयोजन हेतु समिति की खुले कंठ से प्रशंसा की। आयोजन में शहनाज को सुनने क्षेत्र भर से बड़ी संख्या में जिला मुख्यालय पहुंचे थे। शहर में इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर इतनी भीड़ थी कि कार्यक्रम स्थल चौपाटी मैदान भी कम पड़ गया। और उत्साहित लोग कार्यक्रम स्थल के चारों ओर बस स्टैंड की दुकानों की छतो ही नहीं व्यावसायिक प्रतिष्ठान ओर ऊंची इमारतों पर चढ़कर कार्यक्रम का आनन्द लेते नजर आये। मंच का संचालन शैलेश गोयल के द्वारा किया गया। आयोजन समिति के उपाध्यक्ष रामावतार बंसल, सुरेश मित्तल, अमृतलाल गर्ग, सुभाष बंसल, राजेश गर्ग, कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, सह कोषाध्यक्ष त्रिलोकचंद्र गर्ग, अजय मित्तल, सचिव कृष्ण बंसल, उपसचिव हर्ष बंसल मनोज गोयल, सह सचिव ललित तायल, व्यवस्थापक सुशील बंसल, सह व्यवस्थापक विनोद मित्तल, विकास मित्तल, विनोद जैन, भीमसेन मित्तल, प्रमोद जैन, शंभूदयाल अग्रवाल, आशीष मित्तल, अंकुर गर्ग संस्कार अग्रवाल सहित सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति के सदस्यगण काफी संख्या में सक्रिय रहे।

### कर रही हूं सुरक्षित महसूस

इस भव्य आयोजन को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन ने चाक चौबंद व्यवस्था की थी। शहनाज अख्तर ने मंच से सूरजपुर पुलिस की जमकर तारीफ करते हुए कहा की आज मैं सूरजपुर की इस धरती पर बहुत ही प्रसन्न हूं और आपकी व्यवस्था से सुरक्षित महसूस कर रही हूँ।

**वन विभाग के लापरवाही व अधिकारियों के अड़ियल रवैया से**

# परेशान ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्र घुई का किया घेराव

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**प्रतापपुर।** वन विभाग के अधिकारियों की अड़ियल रवैया वी भ्रष्टाचार को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के नेता कवल साय सरूता के नेतृत्व में गोंगपा किसान मोर्चा ने मांगों को लेकर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत वन परिक्षेत्र गई का घेराव किया इस दौरान मौके पर लगभग सैकड़ो के संख्या में प्रदर्शनकारी उपस्थित रहे और वन विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश देखने को मिला प्रशासन के तरफ से मौजूद तहसीलदार को प्रदर्शन कार्यो ने ज्ञापन सौपा ज्ञापन में वन अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि वन विभाग के अधिकारी ने अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परम्परागत वन निवासी अधिनियम 2006, 2007, संशोधित अधिनियम 2021-22 का उल्लंघन किया है। ज्ञापन में बताया गया है कि 13 दिसंबर 2005 के पहले से वन भूमि पर काबिज किसानों को बेदखल किया जा रहा है, जबकि पूंजीपति लोगों को संरक्षण देकर वन भूमि में नया कब्जा दिलाया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम सभा से बिना किसी प्रस्ताव के कंट्रोल गड्ढे की खुदाई और निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे

ग्रामवासियों का निस्तार बाधित हो रहा है। और पूरे क्षेत्र में व्यापक जनाक्रोश व्याप्त है। उन्होंने हाथियों से हुए फसल नुकसान का मुआवजा नहीं दिए जाने पर आक्रोश जताया। साथी वन विभाग के पूर्व रेंज रेंजर द्वारा फर्जी वाउचर बनाकर लाखों रुपए के घोटाले का आरोप लगाया इस दौरान प्रदर्शन कार्यों के साथ पुलिस व वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

## रेडक्रास आजीवन सदस्य सूची पर 11 तक कर सकते है दावा आपत्ति

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** यहां के भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी में प्रबंध समिति का गठन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में सीईओ सह जनरल सेक्रेटरी भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, राज्य शाखा रायपुर द्वारा निर्देश जारी किया गया है। प्रबंध समिति के गठन की प्रक्रिया हेतु भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा सूरजपुर के 386 आजीवन सदस्यों की सूची का प्रकाशन कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के सूचना पटल पर 08 अक्टूबर को किया गया है। यदि किसी सदस्य को आपत्ति हो तो 11 अक्टूबर समय सायं 05 बजे तक अपना दावा आपत्ति संबंधी आवेदन मय सदस्यता रसीद सहित जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी। 11 अक्टूबर के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण कर आजीवन सदस्यों की अंतिम सूची का प्रकाशन किया जायेगा। जिसके आधार पर निर्वाचन के द्वारा प्रबंध समिति के गठन की कार्यवाही की जायेगी।

## शहर में सजी चैतन्य देवियों की आकर्षक झांकी

**प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का आयोजन**

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चैतन्य देवियों की आकर्षक मनोहरी झांकी सजाई गई है। चैतन्य झांकी का शुभारंभ भ्राता लालचंद अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल गोयल, मुकेश अग्रवाल, आर एस मिश्रा, ब्रह्माकुमारी मंजू बहन द्वारा किया गया। प्रतिवर्ष की भांति यह चैतन्य देवियों की झांकी यहां मुख्यमार्ग स्थित भारतीय स्टेट बैंक के बगल में किया गया है। जिसमें मां दुर्गा का नौ रूपों को अलग-अलग चैतन्य रूपों में दिखाया गया है। मां दुर्गा मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, मां गायत्री, मां वैष्णवी, मां महाकाली, मां संतोषी देवी, शिव शक्ति ब्रह्माकुमारी का नौ रूपों में अलग-अलग रूप को दर्शाया गया है साथ में बगल में एक आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है इन चित्र प्रदर्शनियों के माध्यम से कैसे हम अपने जीवन को इन देवियों के समान एकाग्र बुद्धि एवं देवी गुण वाले एवं विकारों से मुक्त कैसे श्रेष्ठ जीवन बना सके, आज के मानव के अंदर एकाग्रता की कमी के कारण मन में अनेक प्रकार के मानसिक टेंशन है जिससे जीवन में दुख शांति अनेक प्रकार की समस्या उत्पन्न होती है इन समस्याओं से कैसे मुक्त हो सके इसके लिए आध्यात्मिक ज्ञान बहुत जरूरी है जिससे स्वयं की पहचान एवं परमात्मा का सत्य

परिचय मिलता है। राजयोग अभ्यास द्वारा जीवन में सुख, शांति, आनंद की प्राप्ति होती है। मानसिक टेंशन दूर करने के लिए निशुल्क राजयोग मेडिटेशन शिविर का भी आयोजन किया गया है। जिसका सभी लाभ ले सकते है। चैतन्य देवियो की उक्त झांकियो का प्रदर्शन 7 से 12 अक्टूबर तक प्रतिदिन संध्या 6:30 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक किया जाएगा। प्रजापिता ब्रम्हकुमारी की स्थानीय संचालिका मंजू बहन ने शहारवासी चैतन्य देवियों का दर्शन करने एवं आध्यात्मिक क्षेत्र प्रदर्शनी का लाभ उठाने का आग्रह किया है।


## कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता,
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा सूचना क्रमांक 01/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.खं./2024 सूरजपुर दिनांक 04.10.2024

### निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में सूरजपुर जिले के विभिन्न विकासखण्डों में 150 मि.मी. व्यास के 90/120 मीटर गहरे नलकूपों का डी.टी.एच. ड्रिलिंग रिग द्वारा नलकूप खनन, हैण्डपम्प स्थापना एवं प्लेटफार्म निर्माण कार्य प्रपत्र "अ" पर प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग छ०ग० रायपुर के द्वारा दिनांक 01.06.2020 को जारी एस.ओ.आर व निविदा आंमत्रण तिथि तक एस.ओ. आर में हुए समस्त संशोधनों सहित लागू होगी, प्रभावशील होगा जिस पर निम्न कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

| समूह क्रमांक | नलकूप की संख्या | अनुमानित लागत (रू.लाख) |
|---|---|---|
| 1 | 11 ( नगर पालिका सूरजपुर के वार्ड अंतर्गत) | 8.28 |
| 2 | 21 ( जिला-सूरजपुर के विभिन्न विकासखण्ड अंतर्गत) | 17.13 |

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करनें की अंतिम तिथि 21.10.2024 है, एंव निविदा की अन्य शर्तें तथा कार्य की विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्त्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सूरजपुर

जी-242503000/1


# निकाय के कार्यों में सकारात्मक सहयोग न मिलने पर करें सख्त कार्रवाई : रोहित

**नगरीय निकाय की मासिक बैठक में कलेक्टर ने अवैध होर्डिंग और अतिक्रमण पर भी कार्यवाही के दिए निर्देश**

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** मंगलवार को कलेक्टर रोहित व्यास ने नगरीय निकाय की मासिक समीक्षा बैठक ली। जिसमें नगर पालिका परिषद व नगर पंचायत के सीएमओ, अभियंता और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे। इस समीक्षा बैठक में स्वच्छता कार्यक्रम,पीएम आवास योजना के क्रियान्वयन, राजस्व वसूली, यूजर चार्ज कलेक्शन और अवैध नल कनेक्शन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इसके अलावा उन्होंने भविष्य को लेकर नगरों के विकास की दिशा में निर्देश दिए। उन्होंने भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए सभी सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि लोगों के लिए इंडोर, आउटडोर स्टेडियम, रनिंग ट्रैक, बैडमिंटन कोर्ट , लाइब्रेरी जैसे आधारभूत संरचनाओ को विकसित करने की दिशा में कार्य करें। बैठक में श्री व्यास ने सभी नगरीय निकायों में सौंदर्यीकरण कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत सभी गतिविधियों को बेहतर तरीके से

लागू करने एवं तालाब, चौक चौराहों का सौंदर्यीकरण, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के साथ साफ सफाई और ज्यादा बेहतर करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पीएम आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण के लक्ष्य को शत प्रतिशत में पूर्ण करने के निर्देश दिए। पीएम आवास को लेकर लापरवाही करने पर उन्होंने सख्त कार्यवाही करने निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन और नगरीय निकाय के लिए राजस्व वसूली प्राथमिकता वाला कार्य है। जिले का निरंतर विकास हो इसके लिए उन्होंने संपत्ति व समेकित कर के साथ-साथ जल कर, दुकानों का किराया, यूजर चार्ज इत्यादि की वसूली सख्ती से करने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि निकाय के कार्यों में सकारात्मक सहयोग न मिलने पर सख्त से सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अवैध होर्डिंग और अतिक्रमण पर भी सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर श्री व्यास ने जिले के नगरीय निकाय में आवारा पशुओं के प्रबंधन को लेकर निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि जिले के सड़कों पर घुमन्तु पशुओं का जमावाड़ा न लगे इसके लिए आवश्यक कार्यवाही करें। इसके अलावा मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वनय के संबंध में विस्तृत चर्चा कर, स्वास्थ्य सुविधा और बेहतर करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पीएम स्वनिधि योजना, आयुष्मान कार्ड निर्माण, पौधरोपण की स्थिति , अधोसंरचना निर्माण की स्थिति, सुग्घर वार्ड कार्यक्रम अंतर्गत किए जा रहे कार्यों के क्रियान्वयन सहित अन्य विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## महाविद्यालय में किया गया बाल विवाह और बाल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम

**प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन**

**सूरजपुर।** यहां के शासकीय रेवती रमन मिश्र महाविद्यालय में यूनिसेफ़ और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह और बाल संरक्षण के महत्वपूर्ण विषयों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में छात्रों को बाल विवाह की हानियों और बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी, मनोज जयसवाल ने छात्रों को बताया कि कॉलेज के विद्यार्थियों को बच्चों के संरक्षण के क्षेत्र में काम करने का आह्वान किया,बच्चे ही कल के भविष्य हैं, ये सुरक्षित हैं तो हमारा भविष्य भी सुरक्षित है, पॉक्सो एक्ट में बच्चों को लैंगिक अपराध से बचाने के लिए प्रावधान दिये गये हैं, बच्चों को गलत तरीके से घूरता,पीछा करना,रास्ता रोकना, गलत तरीके से छुना भी अपराध है, जेजे एक्ट में बच्चों को नशे से बचाने के लिए नए प्रावधान दिये गये हैं जिसमें यदि कोई बच्चे को नशा कराता है या नशे का समान

बेचता है उसे एक लाख रुपये जुर्माना व दो वर्ष के सजा का प्रावधान है, जायसवाल जी ने चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098,181,112 के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी, साइबर क्राइम और नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियानों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह मुक्त सूरजपुर ज़िला बनाने के लिए शपथ भी ली। यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक प्रथमेश मानेकर ने बाल विवाह पर विस्तार से चर्चा करते हुए छात्रों को बाल विवाह मुक्त सूरजपुर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे अपने गाँव और पारा में जाकर लोगों को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करें। कार्यक्रम का संचालन ज़िला एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सी. बी. मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ज़िला बाल संरक्षण अधिकारी मनोज जयसवाल, यूनिसेफ़ के ज़िला समन्वयक प्रथमेश मानेकर, काउन्सेलर जैनेन्द्र दूबे, चाइल्ड लाइन के रमेश साहू, आउट टीचर पवन धीवर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना और बाल संरक्षण के विभिन्न आयामों के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कोरिया फ्रंटलाइन

# स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं की हो रही है लगातार वृद्धि

## एमसीबी जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मिल रही है सीजेरियन प्रसव की सुविधा

**मनेंद्रगढ़ में नवीन डायलिसिस सेंटर की स्थापना से लोगों को मिल रहा है लाभ**

**छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ ( एमसीबी ) ।** छत्तीसगढ़ के नवीन जिला मनेन्द्रगढ़ भरतपुर चिरमिरी में समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाओं के सामान्य प्रसव की सुविधाएं उपलब्ध थी, किंतु उच्च जोखिमवाली गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन हेतु अक्सर दूसरे अस्पतालों का रूख करना पड़ता था। वर्तमान में स्थानीय विधायक एवं राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अथक प्रयासों से अब जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्रो में गर्भवती महिलाओं को सीजेरियन आपरेशन की सुविधा भी मिल रही है। सीजेरियन की सुविधा उपलब्ध होने से अब गर्भवती महिलाओं को निजी अस्पतालों के चक्कर नहीं

काटने पड़ेंगे। जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्रो में सिजेरियन सेक्शन का लाभ मिलने कारण जिले के अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्रों जैसे भरतपुर की गर्भवती महिलाओं को बहुत बड़ी राहत मिली है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का प्रयास है कि जिले के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो। श्री जायसवाल के लगातार प्रयास से ही किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को अब डायलिसिस के लिए भटकना नहीं पड़ता है। मरीजों की इस कठिनाइ को देखते हुए नवीन जिला एम.सी.बी के अंतर्गत हाल ही में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र - मनेन्द्रगढ़ में नवीन डायलिसिस सेंटर की स्थापना की गई है। इस सेंटर की स्थापना से स्थानीय क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिली है। मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हेपेटाइटिस बी एवं हेपेटाइटिस सी दोनों बीमारी से ग्रसित किडनी मरीजों का डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए क्षेत्र के लोगों ने श्याम बिहारी जायसवाल का आभार प्रकट किया है। श्याम बिहारी जायसवाल एमसीबी जिले के साथ ही पूरे प्रदेश मे स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इन प्रयासों से स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार वृद्धि भी हो रही है, जिसका सीधा लाभ राज्य की जनता को मिल रहा है।

# बचपन प्ले स्कूल में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

**छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ ( एमसीबी ) ।** शहर के प्रतिष्ठित स्कूल बचपन प्ले स्कूल में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर हमारे नन्हे- मुन्ने बच्चों ने रंग बिरंगे कपड़े पहनकर नृत्य एवं गरबा की प्रस्तुति दी। विद्यालय की शिक्षिकाऐ भी सुशोभित वस्त्र धारण किए हुए थे। जिससे प्रेरित होकर नन्हे- मुन्ने बच्चों ने भी नृत्य, गीत, ड्राइंग एवं नवरात्रि पर भाषण आदि की भी प्रस्तुति दी। रावण का वध करके जब श्री राम अयोध्या वापस आए तो उनके आने की खुशी में हम दशहरा मनाते हैं। इससे नाट्य के रूप में रूपांतरित करके कक्षा एल.के.जी के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुति दी एवं यह संदेश दिया

कि असत्य पर सत्य की विजय होती है, अर्थात हमे हमेशा सत्य की राह पर चलना चाहिए। इस दौरान विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती साधना सिंह ने बच्चों को यह बताया कि दशहरे के दिन भगवान राम ने रावण का वध किया इस पर्व को असत्य पर सत्य की विजय के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय की डायरेक्टर श्रीमती ज्योति ताम्रकार उपस्थित रही। विद्यालय की काउंसलर श्रीमती सोनाली दास ने मां दुर्गा की पूजा अर्चना कर एवं बच्चों को नवरात्रि एवं दशहरा की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। श्रीमती ज्योति ताम्रकार ने बच्चों को यह संदेश दिया कि नवरात्रि में दुर्गा मां की विभिन्न नौ रूपों की पूजा की जाती है। जिससे सदैव हम सभी को खुशी, आशीर्वाद, स्वास्थ्य, धन, प्रसिद्धि, इंसानियत, भक्ति, शक्ति और ज्ञान की प्राप्ति होती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के डायरेक्टर, काउंसलर, शिक्षिकाएं वैष्णवी जायसवाल, आरिका खान, शिल्पी सिन्हा, नंदिनी साहू, पुष्पा सिंह, प्रियंका सिंह, रश्मि प्रसाद, श्रीती मुखर्जी, राधा पांडे, अलीना परवीन, रुचि सेन, रेखा दोहरे, सबा परवीन, पूजा सोंधिया, राकेश पटवा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

# कोयला व इस्पात संसदीय बोर्ड की सदस्य बनी कोरबा सांसद

**छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ ( एमसीबी ) ।** कोयला व इस्पात संसदीय सलाहकार समिति में कोरबा लोकसभा क्षेत्र से लगातार दूसरी बार निर्वाचित सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत को संसदीय बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया है। जिसकी पहली बैठक 9 अक्टूबर को दिल्ली लोकसभा सचिवालय में आहूत की गई है। कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि कोरबा लोकसभा क्षेत्र में ज्यादातर कोयले की खदान हैं साथ ही इनकी अनेकोंनेक समस्याएं भी है। इन समस्याओं को लेकर 9 अक्टूबर को दिल्ली पार्लियामेंट में होने वाली बैठक

में भू-विस्थापितों व उनके बसाहट और रोजगार के साथ-साथ खनन क्षेत्र के लोगों की मूलभूत समस्याओं को लेकर ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। सांसद ने कहा कि खनिज न्यास मद सहित सीएसआर मद से खनन क्षेत्र के लोगों व खदान व संयंत्रों से प्रभावित हो रहे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ-साथ आवागमन की सुविधाएं मिले इन मुद्दों पर भी बैठक में ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। सांसद ने कहा कि कोयला क्षेत्र से जुड़े अधिकारी खदानों में सुरक्षा को लेकर और उनके बुनियादी सुविधाओं को लेकर तनिक भी सजग नहीं है। कोयला खदान के कामगारों की भी समस्याओं को ये लोग नजर अंदाज कर रहे हैं।

### जिले में 01 जून से अब तक 1064.1 मिमी वर्षा

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** जशपुर जिले में 01 जून से अब तक 1068.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 10 वर्षो की तुलना में 01 जून से आज तक औसत वर्षा 1080.0 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 3.9 मिमी वर्षा हुई है।

भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से अब तक तहसील जशपुर में 938.6 मिमी, मनोरा में 1453.4 मिमी, कुनकुरी में 1477.8 मिमी, दुलदुला में 923.1 मिमी, फरसाबहार में 636.2 मिमी, बगीचा में 1284.1 मिमी, कांसाबेल में 887.0 मिमी, पत्थलगॉव में 976.6 मिमी, सन्ना में 1310.9 मिमी एवं बागबहार में 792.8 वर्षा हो चुकी है। सर्वाधिक वर्षा कुनकुरी तहसील में दर्ज की गई है।

### बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बेटियों को शिक्षित करने किया जा रहा सार्थक प्रयास

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में जिले के फरसाबहार विकास खंड के सेक्टर तपकरा परियोजना तपकरा और पत्थलगांव विकास खंड के सेक्टर किलकिला परियोजना में अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां कराई गई। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा बेटियों लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

# प्रधानमंत्री आवास योजना बेसहारा और जरूरतमंदों के लिए ला रहा खुशियों का सौगात

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सार्थक प्रयासों से बेसहारा और जरूरतमंद परिवारों का पक्का मकान बन रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ने बेसहारा और जरूरतमंद की जिंदगी में खुशियां भर दिया।

प्रधानमंत्री आवास योजना वर्तमान समय में हितग्राहियों के लिए खुशियों की सौगात लेकर आ रही है। हितग्राही हमेशा सपना देखता था कि उनका भी एक पक्का घर होता, जिसमें अपने परिवार के साथ खुशी से रहते। ऐसा उनके जीवन में बस सपना ही रह गया था। किन्तु प्रधानमंत्री आवास योजना से जनपद पंचायत बगीचा के ग्राम पंचायत मूढ़ी में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा हितग्राही रामनिधि का आवास वर्ष 2023-24 में जनमन के तहत स्वीकृत हुआ।

विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा रामनिधि ने बताया कि जनमन में उन्हें आवास निर्माण के लिए 2 लाख रूपए की सहायता राशि मिला और मनरेगा योजना के तहत 12 हजार रूपए का शौचालय बनवाया गया। साथ ही उन्हें मनरेगा से 95 दिवस की राशि भी मिली। हितग्राही द्वारा बताया गया कि पहले बरसात में बहुत परेशान होना पड़ता था। बरसात के समय छत से पानी टपकता था। पन्नी बांध कर घर पर रहना पड़ता था। घर कच्चा होने के कारण सांप-बिच्छू घर में घुस जाते थे। हर साल घर की मरम्मत भी करनी पड़ती थी जिस राशि बहुत खर्च होता था। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण घर बनाने की कोई उम्मीद नहीं दिखाई दे रही थी। अब पक्का आवास बनने के बाद बारिश में टपकती छत से आजादी मिल गई है। हितग्राही अपने परिवारों के साथ निवासरत हैं, इन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है। उनके कारण इन्हें पक्का आवास मिल गया और कन्वर्जेंस के तहत शौचालय, मनरेगा की मजदूरी, उज्जवला गैस, शासकीय राशन, पेंशन और भी बहुत सारी शासकीय सुविधाओं का लाभ लाभ मिल रहा है और अपने परिवारों के साथ खुशहाली जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

# मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से जनसमस्याओं का हो रहा है समाधान

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कार्यालय कैंप लगातार जनसमस्याओं के समाधान में अहम भूमिका निभा रहा है। उम्मीद के साथ यहां आवेदन देने पहुंच रहे लोग चेहरे पर एक मुस्कान लेकर जा रहे हैं। कैंप कार्यालय के द्वारा पहल करते हुए आवेदन के आधार पर समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है।

विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा बहुल बस्ती में महुआपानी में पहली बार बिजली पहुंचाने की स्वीकृत दिलाने के साथ ही रायगढ़ जिले की ऐतिहासिक कुर्रा गुफा में विद्युतीकरण का कार्य भी इसी कैंप कार्यालय की पहल का ही परिणाम है। इसी तरह जरूरतमंदों के मदद का कार्य भी यहां पर लगातार किया जा रहा है। जनहित के अन्य कार्यों में श्रवण दोष से पीड़ित कई जरूरतमंद व्यक्तियों को श्रवणयंत्र प्रदान किए गए हैं, जैसे कि मंदाकिनी यादव, सुमित्रा यादव, लालजीत भगत और महिन्दर भगत। इसके साथ ही, पैरों से चलने में असमर्थ गुरुदेव, रातु राम, मानकुवर नाग, रोहित साहू, अशोक दुबे और टेबुल राम जैसे कई जरूरतमंदों को ट्राई साइकिल और ई-रिक्शा प्रदान किए गए हैं।

बागीचा के मड़िया झड़िया में पीडीएस दुकान स्थापित कर वहां के लोगों को सुविधा देने, सुरेखा बाई व रामरीका बाई के राशन कार्ड बनाने सहित कई पीडीएस से संबंधित समस्याओं का निराकरण कैंप कार्यालय के पहल से किया गया है। इसी प्रकार से रामरिका बाई, अंकित राम जैसे कई जरूरतमंदों को जरूरत के समय तत्काल मेडिकल सहायता प्रदान करने की पहल कैंप कार्यालय द्वारा की गई है। बिजली से संबंधित समस्या जैसे ट्रांसफर लगाने और बिजली के संचालन की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने की पहल लगातार कैंप कार्यालय द्वारा की जा रही है।

# नारी सशक्तिकरण में टसर धागाकरण निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

## प्रीति अतिरिक्त आय अर्जित कर रही अपने सपने पूरे

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** सशक्त महिला सशक्त समाज को गढ़ता है जिससे देश के विकास होने में सहयोग होती है। नारी सशक्तिकरण में ग्रामोद्योग संचालनालय की टसर धागाकरण की योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आने वाली पीढ़ी के द्वारा रोजगार हेतु किसी अन्य राज्य में पलायन नही करना पड़ेगा अपने ही राज्य अपने ग्रामों में रहकर स्व-रोजगार प्राप्त कर सकतें है इस उददेश्य से मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुसार जिले में संचालक रेशम के द्वारा धागाकरण प्रशिक्षण देकर समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा रहा है।

टसर धागाकरण योजनान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र में कृषि कार्य एवं मजदूरी वनोपज से आय का एक प्रमुख साधन है जो एक निश्चित अवधि के लिए होती है। पुरूष तो काम के तलाश में बाहार जा सकते हैं किन्तु महिलाओं के लिए अपने गांव के आस-पास में रोजगार प्राप्त करने हेतु इधर-उधर भटकना पडता था ऐसे ही कुछ जरूरत मंद महिलाएं शासकीय कोसा बीज केन्द्र सिंगीबहार में चल रहे टसर धागाकरण योजनान्तर्गत संचालित टसर मशीनों को देखने आई एवं धागाकरण कार्य को देखकर स्व-प्रेरित होकर स्वयं भी इस कार्य को करने के लिए इच्छा प्रकट की तथा विभाग द्वारा इसे भी विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

कलेक्टर डॉ रवि मित्तल के मार्गदर्शन में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक कुमार के दिशा-निर्देश में जशपुर जिले के विकासखंड फरसाबहार के ग्राम केरसई निवासी कुमारी प्रीति चौहान ने बहुत ही कम उम्र में ही टसर धागाकरण प्रशिक्षण कर धागाकरण कार्य में रुचि ली और आज अपने सपने को साकार कर रही है। जो कि अति गरीब परिवार से आती है एवं अनुसूचित जाति वर्ग से है चूंकि प्रीति चौहान कक्षा 12 वीं तक का शिक्षा प्राप्त कर चुकी है परन्तु सरकारी नौकरी नहीं मिलने कारण धागाकरण कार्य में एकाग्र मन से कार्य कर अच्छी आमदनी प्राप्त कर रही है। आज इनके खाते में लगभग 1 लाख 2 हजार 6 सो 35 रूपये जमा है जोकि अपने भविष्य के लिए जमा पूंजी रखी है। उन्होंने बताया कि इनके पिता मजदूरी का काम करते हैं जो कि सिर्फ परिवार का पेट ही पलता था अब इनके द्वारा माता पिता को आर्थिक सहयोग कर रहे हैं अतिरिक्त पैसे के आमदनी होने से हमारी पुश्तैनी भूमि जो कि कई वर्षो से खेती नहीं किये थे उसमें खेती कर हमारी साल भर के खाने हेतु अनाज उत्पादन कर लेते हैं। इस प्रकार से रेशम विभाग जशपुर के द्वारा कई गरीब परिवार जो आर्थिक स्थिति से कमजोर ऐसे परिवार को छत्तीसगढ़ शासन का धागाकरण योजना से जोडकर रोजगार दिया जा रहा है।

कुमारी प्रीति चौहान ने बताया की शासकीय कोसा बीज केन्द्र सिंगीबहार के फील्ड-ऑफीसर से मिलकर धागाकरण के बारे में जानकारी ली तथा उन्होने मुझे धागाकरण प्रशिक्षण के बारे में बाताया और उनके द्वारा प्रशिक्षण दिलाया जो कि मेरी जिन्दगी को पूरी तरह से बदल दिया आज मेरे भाई-बहन का पढाई लिखाई रेशम धागाकरण से अर्जित पैसों से करवाती हैं। तथा उनका हर सपना पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 26100 कोसाफल का उपयोग कर लगभग-28.770 किलोग्राम धागा का उत्पादन करती हैं। जिसकी कीमत राशि 1 लाख 40 हजार 720 रूपए उनको प्राप्त हुआ। जिसमें कोसाफल का लागत राशि 57195 है जिससे उनको शुद्ध आमदनी 83525 रूपए प्राप्त हुए है। इसी प्रकार हर वर्ष आमदनी अर्जित करती है।

समूह की महिलाएं पहले कॉफी गरीबी में जीवन यापन कर रही थीं, वे इस योजना से जुड़कर अब तक अपनी-अपनी जीवन स्तर में सुधार कर ली हैं इसी योजना से अतिरिक्त आय अर्जित कर अपने कृषि भूमि में खेती का कार्य कर उन्नत किस्म का धान एवं अन्य फसल का उत्पादन कर रहे हैं। कई ऐसे महिलाएं जिनके पास सायकल खरीदने को सपना देखते थे परन्तु आज इसी कार्य से दो पहिया वाहन आसानी से खरीद के चला रहे हैं, अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा हेतु अच्छे स्कूलों में पढ़ाई लिखाई करवा रहें है। समूह 501 महिलाएं हितग्राही जो आज धागाकरण कार्य से स्वावलंबी हो चुके हैं एवं परिवार का भी आर्थिक स्थिति में मजबूत कर रहे हैं जिससे इनका जीवन स्तर और भी उपर की ओर जा रही है जिससे सामाज में इनकी अलग पहचान मिल रही है तथा रेशम विभाग महिला समूह को हर स्तर पर सहयोग कर रही है महिलाओं को कोकून बैंक के माध्यम से कोसा उपलब्ध कराना मशीनों द्वारा उत्पादित धागा को विपणन कराना तथा विक्रय किया गया धागा का राशि उनके खाते में उपलब्ध कराना इत्यादि इस प्रकार महिलाओं एवं गरीब परिवारों को रेशम विभाग द्वारा इनके पूर्ण विकास सकारात्मक आर्थिक विकास की ओर प्रयासरत है जिससे वे अपने क्षमता को समझ सके महिलाओं का सशक्त होना आज की महती आवश्यकता है।

### प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन हेतु 04 लाख की राशि स्वीकृत

**छ.ग.फ्रंटलाइन जशपुरनगर।** कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने प्राकृतिक आपदा में जनहानि के एक मामले में प्रभावित परिजन को आर.बी.सी. 6-4 के तहत् 04 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि की स्वीकृत दी है। मनोरा तहसील अंतर्गत ग्राम खौरा निवासी उमाशंकर राम का कुआं के पानी में डुबने से 13 अक्टूबर 2023 को मृत्यु हो गई। मृतक के निकटतम वारिस उनके पत्नी अशोपति बाई हेतु 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर ( छ.ग. ) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा